राजनीतिक दांव

TITLE CODE :-DELHIN29015

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

जीत सत्य की...

पेज-8 | गुजरात की 10वीं जीत | वर्ष-01 | अंक-20 | नई दिल्ली, सोमवार 16 मई, 2022 | पृष्ठ-08 | ₹-2 रु0

चिंतन शिविर में कांग्रेस ने बनाया खास प्लान

राहुल गांधी करेंगे कश्मीर से कन्याकुमारी तक 'पदयात्रा'

उदयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी के चिंतन शिविर के दूसरे दिन शनिवार को उदयपुर में पार्टी महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों, प्रदेश इकाई के अध्यक्षों, विधायक दल के नेताओं और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में, चिंतन शिविर में विभिन्न विषयों पर हुई अब तक की चर्चा और संगठन को मजबूत बनाने को लेकर मंथन किया गया। इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और कई अन्य नेता मौजूद थे। शिविर के पहले दिन शुक्रवार को सोनिया गांधी ने कांग्रेस में आमूलचूल बदलाव की पैरवी करते हुए कहा था कि असाधारण परिस्थितियों का मुकाबला असाधारण तरीके से किया जाता है। जी23 नेताओं ने मांग की थी कि बोर्ड का गठन किया जाए। पार्टी सूत्रों ने यह भी जानकारी दी कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगले साल कश्मीर से कन्याकुमारी की यात्रा करेंगे और इसमें से अधिकांश जगहों की 'पदयात्रा' होगी।

सामाजिक न्याय पर पार्टी पैनल ने कहा कि वह कांग्रेस कार्य समिति सहित कमजोर वर्गों के लिए संगठन के भीतर सभी स्तरों पर 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की सिफारिश करेगा। विधानसभा और संसद में ओबीसी के लिए आरक्षण की भी सिफारिश की गई है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद और के राजू ने मीडिया को बताया कि एससी, एसटी, ओबीसी

और अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता के संदेश की पुष्टि के लिए संगठनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। अंतिम निर्णय से पहले पैनल की सिफारिशों पर कांग्रेस कार्य समिति द्वारा विचार किया जाएगा। शिविर के पहले दिन, भव्य पुरानी पार्टी ने 'एक परिवार, एक टिकट नियम' की घोषणा करते हुए कहा कि यह सम्मेलन के बाद बड़े संगठनात्मक परिवर्तनों की शुरूआत करने के लिए तैयार है।

आपको बता दे कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की आतंकवादियों द्वारा हत्या किए जाने की परिष्ठभूमि में शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक फिल्म पर बोलना, कश्मीरी पंडितों के नरसंहार पर बोलने से ज्यादा अहम है। उन्होंने राहुल भट्ट की पत्नी का एक वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, प्रधानमंत्री के लिए एक फिल्म (द कश्मीर फाइल्स) पर बोलना, कश्मीरी पंडितों के नरसंहार पर बोलने से ज्यादा अहम है। भाजपा की नीतियों की वजह से आज कश्मीर में आतंक चरम पर है।

बीजेपी-आरएसएस की विचारधारा से है लड़ाई - राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे कहा कि, ये एक परिवार है और मैं आपके परिवार का हूं। मेरी लड़ाई आरएसएस और बीजेपी की विचारधारा है जो देश के सामने एक खतरा है, उससे मेरी लड़ाई है। ये लोग जो नफरत फैलाते हैं, हिंसा फैलाते हैं, इसके खिलाफ मैं लड़ता हूं और लड़ना चाहता हूं। ये मेरी जिंदगी की लड़ाई है। मैं इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं हूं कि मेरे प्यारे देश में इतना क्रोध और हिंसा फैल सकती है। हमारे खिलाफ बड़ी शक्तियां हैं। ये मत सोचिए कि हम एक पार्टी से लड़ रहे हैं, हम हिंदुस्तान के हर इंस्टीट्यूशन से लड़ रहे हैं। हम देश के सबसे बड़े क्रोनी कैपिटलिस्ट्स के खिलाफ लड़ रहे हैं। लेकिन आपको घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ये देश सच्चाई को मानता है, देश को समझ आ रहा है कि क्या हालत है।

बीजेपी में दलितों को दबाया जाता है- राहुल गांधी

चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक तरफ महंगाई है और दूसरी तरफ बेरोजगारी है। जीएसटी और नोटबंदी से देश की अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई है, लेकिन सरकार आंखें बंद कर बैठी है। भाजपा में किसी की बात नहीं सुनी जाती है। यहां सिर्फ दो लोग ही देश चलाना चाह रहे हैं। पार्टी के भीतर तानाशाही चरम पर है। बीजेपी में दलित नेताओं का सबसे ज्यादा अपमान होता है। राजनीतिक वर्ग और आम लोगों की आवाज को दबाया जा रहा है। लोगों को खामोश करने के लिए पेगासस जैसे हथियार का इस्तेमाल किया जा रहा है।

समय की कसौटी पर हमेशा खरे उतरे भारत-नेपाल रिश्ते और गहरे होंगे: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि नेपाल के साथ भारत के संबंध अद्वितीय हैं और वहां की उनकी यात्रा का उद्देश्य समय की कसौटी पर हमेशा खरे उतरे आपसी संबंधों का जश्न मनाना तथा उन्हें और गहरा करना है।

श्री मोदी ने अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा, नेपाल के साथ हमारे संबंध अद्वितीय हैं। भारत और नेपाल के बीच सभ्यतागत तथा नागरिकों के बीच के संपर्क हमारे घनिष्ठ संबंधों की मजबूत नींव हैं। मेरी यात्रा का उद्देश्य सदियों से समय की कसौटी पर खरे उतरते आ रहे इन संबंधों का जश्न मनाना तथा उन्हें और गहरा करना है।

गौरतलब है कि श्री मोदी नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के निमंत्रण पर 16 मई को लुंबिनी जाने वाले हैं।

श्री मोदी ने कहा, मैं बुद्ध जयंती के शुभ अवसर पर मायादेवी मंदिर में पूजा करने के लिए उत्साहित हूं। मैं भगवान बुद्ध के पवित्र जन्म स्थल पर श्रद्धा अर्पित करने वाले लाखों भारतीयों के नक्शेकदम पर चलने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले महीने श्री देउबा की भारत यात्रा के दौरान सार्थक चर्चा के बाद फिर से उनसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, हम जलविद्युत, विकास और संपर्क सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए अपनी साझा समझ को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं पवित्र मायादेवी मंदिर के दर्शन के अलावा लुंबिनी मठ क्षेत्र में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फॉर बौद्ध कल्चर एंड हेरिटेज के शिलान्यास समारोह में भी भाग लूंगा।

वह नेपाल सरकार द्वारा आयोजित बुद्ध जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में भी शामिल होंगे।

लुम्बिनी यात्रा से भारत नेपाल संबंध और मजबूत होंगे: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के साथ भारत के संबंधों को अद्वितीय बताते हुए आज कहा कि सोमवार को उनकी लुम्बिनी यात्रा का उद्देश्य भारत-नेपाल संबंधों को और मजूबत करना है। श्री मोदी ने नेपाल की यात्रा की पूर्वसंध्या पर अपने यात्रा पूर्व वक्तव्य में रविवार को कहा, मैं नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के निमंत्रण पर 16 मई को लुंबिनी, नेपाल का दौरा करूंगा। मैं बुद्ध जयंती के शुभ अवसर पर मायादेवी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए उत्सुक हूं। मैं भगवान बुद्ध के पवित्र जन्म स्थान पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए लाखों भारतीयों के नक्शेकदम पर चलने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

राजीव कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यभार संभाला

नयी दिल्ली। श्री राजीव कुमार ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार ग्रहण किया।

श्री कुमार ने निर्वाचन सदन में 25 वें मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यभार संभालने के बाद कहा कि बेहतर चुनाव प्रबंधन और संचालन के लिए मतदाता सेवाओं को पारदर्शी और सुगम बनाया जायेगा। साथ ही, प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए प्रौद्योगिकी को प्रमुख साधन बनाया जाएगा।

श्री कुमार ने कहा, उन्हें भारतीय संविधान द्वारा उपहार में दिए गए बेहतरीन संस्थानों में से एक का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है, वह संस्थान जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करता है। पिछले सत्तर वर्षों के दौरान हमारे नागरिकों को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव देने, मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करने, कदाचार को रोकने और हमारे चुनावों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने बहुत कुछ किया है। आयोग संविधान के तहत जिम्मेदार किसी भी बड़े सुधार को लाने के लिए परामर्श और सर्वसम्मति निर्माण के समय-परीक्षण और लोकतांत्रिक तरीकों का पालन

करेगा, ईसीआई कड़े फैसलों से पीछे नहीं हटेगा।

उन्होंने कानून और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार की 12 मई की राजपत्र अधिसूचना के तहत कार्यभार ग्रहण किया।कानून मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया था कि मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा 14 मई को रिटायर हो रहे हैं, जिसके बाद नए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार 15 मई को कार्यभार संभालेंगे। श्री राजीव कुमार 15 मई 2022 से 18 फरवरी 2025 तक इस पद पर रहेंगे। संविधान के अनुसार, निर्वाचन आयुक्तों का कार्यकाल छह साल या फिर 65 साल की उम्र तक होता है। श्री कुमार एक सितंबर, 2020 से चुनाव आयुक्त के रूप में चुनाव आयोग में सेवारत हैं।चुनाव आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, मार्च-अप्रैल 2021 में कोविड महामारी की समस्याओं के बीच असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में और 2020 में बिहार की राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव हुए। हाल ही में ,2022 की शुरूआत में गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लिए भी चुनाव हुए।

रवि के वार से झुलसा उत्तर भारत

तापमान 49 के पार, दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में चली लू, जारी हुआ आरेंज अलर्ट

नई दिल्ली। भीषण गर्मी ने पिछले तमाम रिकार्ड तोड़ दिए हैं। झुलसा देने वाली धूप और भीषण लू के बीच रविवार को दिल्ली के कई इलाकों का तापमान 49 डिग्री पार कर गया। दिल्ली के दो स्टेशनों मुंगेशपुर और नजफगढ़ में तापमान क्रमशः 49.2 और 49.1 डिग्री दर्ज किया गया। हालांकि दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक 15 मई को पिछले नौ साल में यह सबसे गर्म दिन रहा है।

तापमान 49 डिग्री के पार

वहीं उत्तर प्रदेश के बांदा में भी तापमान 49 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा राजस्थान के धौलपुर में 48.3 और एनसीआर के गुरुग्राम का तापमान 48.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने गर्मी को देखते हुए आरेंज अलर्ट भी जारी किया है। विभाग के अनुसार, सोमवार को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। बादल छाए रहेंगे और धूल भरी तेज आंधी चलेगी। इससे अधिकतम तापमान में भी चार डिग्री तक की गिरावट आ सकती है।

यूपी में बांदा सबसे गर्म, 49 डिग्री पर पहुंचा पारा

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बीते हफ्ते बारिश के बाद नमी बढ़ने से उमस बढ़ गई है। अधिकतम तापमान बांदा में सर्वाधिक 49 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा प्रदेश के कई जिलों में तापमान 45 डिग्री से ऊपर रहा।

हरियाणा में पड़ रही गर्मी की मार

रविवार को दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में भीषण गर्मी और लू ने लोगों को परेशान किया। उत्तर भारत में गर्मी लगातार बढ़ रही है और फिलहाल इसके तेवर में कमी आने की संभावना नहीं है। हरियाणा के ही रेवाड़ी में अधिकतम तापमान 47.5 डिग्री पर पहुंच गया।

टूटा रिकार्ड

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के अनुसार, पिछले 13 वर्षों में मई में कभी इतना अधिक तापमान नहीं रहा। वर्ष 2009 में 26 मई को अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं, नारनौल में अधिकतम तापमान 47.5 दर्ज हुआ है।

मई में जून की तरह तपा पंजाब

पंजाब में प्रदेश में प्रचंड गर्मी ने लोगों को घरों में कैद कर दिया है। लू के बढ़ते प्रकोप के कारण लोगों को मई में जून जैसी तपिश का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को पंजाब के अधिकांश जिले लू की चपेट में रहे और तापमान ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। रविवार को मुक्तसर राज्य में सबसे गर्म रहा और यहां पर अधिकतम तापमान रिकार्ड 47.4 डिग्री सेल्सियस रहा। शनिवार को भी यहां तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो राज्य के सभी जिलों से सबसे ज्यादा था।

गर्मी ने दिखाया प्रचंड रूप

वहीं फिरोजपुर में अधिकतम तापमान 46.9, बठिंडा में 46.8, बरनाला में 46.4, जालंधर में 46.2, अमृतसर, मोगा व होशियारपुर में 46.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के चंडीगढ़ केंद्र के डायरेक्टर डा. मनमोहन सिंह के अनुसार, मार्च और अप्रैल के बाद मई में गर्मी ने प्रचंड रूप दिखाया है। मई के पहले 15 दिनों में दिन का तापमान सामान्य से पांच से आठ डिग्री सेल्सियस अधिक चल रहा है।

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है। रविवार को धौलपुर में तापमान 48.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। बीकानेर और श्रीगंगानगर जिलों में भी तापमान 48 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। प्रदेश के कई शहरों का तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियम से मध्य दर्ज किया गया।

केरल में भारी बारिश का अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) ने अरब सागर में तेज पछुआ हवाओं के कारण केरल में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। आइएमडी द्वारा केरल के छह जिलों में 15 मई को आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

माणिक साहा ने ली त्रिपुरा के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ

अगरतला। त्रिपुरा मेडिकल कॉलेज में डेंटल सर्जरी के प्रोफेसर माणिक साहा ने रविवार को यहां त्रिपुरा के12वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने चमचमाते दरबार हॉल में एक सादे समारोह में 69 वर्षीय श्री साहा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी।

श्री साहा ने अकेले ही शपथ ली क्योंकि मुख्यमंत्री के अचानक बदलने के बाद विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के बीच बड़े पैमाने पर कथित असंतोष के कारण पार्टी ने अभी तक उनके कैबिनेट सदस्यों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है।

पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री विप्लव कुमार देव के मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री जिष्णु देव वर्मा और

राम प्रसाद पॉल सहित तीन पूर्व मंत्री तथा कई विधायक शपथ ग्रहण समारोह से दूर रहे।श्री देव हालांकि श्री रतन लाल नाथ और आईपीएफटी नेता एवं पूर्व आदिवासी कल्याण मंत्री मेवार कुमार जमातिया तथा कुछ अन्य विधायकों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के साथ शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे।

श्री साहा ने शपथ ग्रहण के बाद संवाददाताओं से कहा, हम पार्टी के सिपाही हैं। मुझे जो भी कार्य सौंपा गया है, मैं उसे अपनी क्षमता के अनुसार पूरा करूंगा। मैं त्रिपुरा के समग्र विकास के लिए सर्वोत्तम प्रयास करूंगा।

श्री देव ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश के बाद शनिवार को पद से इस्तीफा दे दिया।

श्री साहा दिसंबर 2016 में भाजपा में शामिल हुए थे और दो साल बाद पार्टी के सत्ता में आने के बाद वह 2019 में त्रिपुरा क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने। श्री साहा ने जनवरी 2020 में श्री देव की जगह भाजपा की त्रिपुरा इकाई के अध्यक्ष के पद का संभाला। मार्च 2022 में वह राज्य से राज्यसभा के लिए चुने गये। श्री साहा को श्री देव का बहुत वफादार माना जाता है और त्रिपुरा भाजपा में उनका तेजी से उदय काफी हद तक पूर्व मुख्यमंत्री के साथ उनके बेहतर समीकरण के कारण संभव हुआ है।

भाजपा और आईपीएफटी के 41 विधायकों के विचारों को कथित तौर पर दरकिनार करते हुए शनिवार को भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में श्री साहा के नाम की घोषणा से पार्टी में असंतोष फैल गया। भाजपा के दो विधायकों- पूर्व मंत्री राम प्रसाद पॉल और परिमल देववर्मा ने पार्टी के फैसले के खिलाफ विद्रोह कर दिया, जबकि देव वर्मा साहा किसी के संपर्क में नहीं हैं। श्री साहा और पार्टी पदाधिकारियों सहित भाजपा के केंद्रीय नेताओं के कई प्रयासों के बावजूद श्री देव वर्मा का शनिवार रात से पता नहीं चल पाया है।

श्री साहा ने पटना के सरकारी डेंटल कॉलेज से डेंटल सर्जरी में बैचलर डिग्री ली और यूनिवर्सिटी रैंकिंग में चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने 1995 में केजीएमसी, लखनऊ विश्वविद्यालय से ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की।

मुंडका हादसा: इमारत का मालिक मनीष लाकड़ा गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास बीते शुक्रवार को एक इमारत में लगी भीषण आग में 27 लोगों की मौत और कई अन्य के झुलसने के मामले में पुलिस ने अब उस इमारत के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त (बाहरी) समीर शर्मा ने बताया कि मुंडका इलाके में भीषण अग्निकांड की घटना के तुरंत बाद इमारत का मालिक मनीष लकड़ा फरार हो गया था। श्री शर्मा ने कहा कि मुंडका इलाके के अग्निकांड में बड़ी सफलता मिली है, जिसमें इमारत के फरार मालिक मनीष लकड़ा को बाहरी जिले की पुलिस टीम ने दिल्ली और हरियाणा में कई बार छापेमारी कर दिल्ली के घेवरा इलाके से गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि जब लकड़ा को गिरफ्तार किया गया उस समय वह हरिद्वार भागने की फिराक था।

डीसीपी ने कहा, उसने अपना फोन तोड़कर कहीं फेंक दिया था, ताकि उसके लोकेशन का पता नहीं लगाया जा सका। अग्निकांड के बाद लकड़ा अपने परिवार के साथ फरार हो गया था। दिल्ली के मुंडका के पास एक इमारत में शुक्रवार को भीषण आग लगने के मामले में मामला दर्ज किया गया है।

श्री शर्मा ने कहा, हम हर पहलू पर नजर बनाए हुए हैं। इमारत के दस्तावेजों की जांच की जा रही है कि क्या इमारत को फायर एनओसी मिला हुआ था।

श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस ने डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद किया है, जिसका विश्लेषण किया जा रहा है। इमारत से जुड़े सभी दस्तावेजों का विश्लेषण किया जाएगा।

शवों की पहचान के लिए डीएनए के बचे हुए नमूने आज लिए जाएंगे। इससे पहले, पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद कहा था कि जिस इमारत में आग लगी थी वह एक चार मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग थी, जिस पर कई कंपनियों ने ऑफिस थे।

विकास कार्यों से गाजियाबाद संसदीय क्षेत्र को मिलेगी विकासात्मक गति जनरल वीके सिंह

गौरव राय

गाजियाबाद, दिनांक 5 मई दिन बृहस्पतिवार गाजियाबाद संसदीय क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन था क्योंकि गाजियाबाद के सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग राज्यमंत्री और केंद्रीय नागर विमानन राज्यमंत्री डॉ जनरल वी के सिंह ने गाजियाबाद संसदीय क्षेत्र के रहवासियों की जरूरतों और उनकी मांग को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद की मुख्यतः सभी विधानसभाओं के ग्रामीण और शहरी विकास की दिशा में अनेकों प्रस्तावों को उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग में मंत्री श्री जितिन प्रसाद को भेज कर जल्द से जल्द निर्माण कार्य कराने हेतु अधिकारियों को निर्देशित करने के लिए कहा है गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र में यातायात को सुगम बनाने हेतु सेतु निर्माण के संबंध में अवगत कराते हुए उन्होंने बताया कि जनपद गाजियाबाद शहर में शास्त्री नगर चौराहे अंट सेंटर के मध्य दयानंद चौक हापुर चुंगी पर चार लाइन उपरगामी सेतु का निर्माण कार्य, जनपद गाजियाबाद में भोपुरा मोड शालीमार गार्डन से राजपूत सम्राट पृथ्वीराज चौहान चौक तक चार लाइन उपरगामी सेतु का निर्माण कार्य, मसूरी मुरादनगर मार्ग पर एक मसूरी की तरफ एवं एक मुरादनगर की तरफ 2 नग आरओबी का निर्माण कार्य, जनपद गाजियाबाद के अंतर्गत लोनी विधानसभा क्षेत्र के फरुखनगर से राजनगर एक्सटेंशन के मध्य हिंडन नदी पर सेतु निर्माण का कार्य, साथ ही जनपद गाजियाबाद में इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस आईटीएस मोहन नगर गाजियाबाद पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य की मांग का प्रस्ताव भेजा गया है, इसके साथ ही माननीय सांसद महोदय ने विधानसभावार चौड़ीकरण सुदृढ़ीकरण कार्य कार्यों के लिए निम्न वरीयता क्रम में 2022-23 की कार्य योजना हेतु प्रस्ताव देते हुए विधान सभा धौलाना में डासना से इकला इनायतपुर मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य रा०मा० 9 से इनायतपुर तमूही तक कालदा रजवाहा की पटरी पर चौड़ीकरण का कार्य जलालाबाद से वाया नूरपुर समय पुर अकलपुर निक रावटी चौराहे तक सड़क निर्माण का कार्य और समयपुर से वाया माहौल डासना जेल तक सड़क निर्माण कार्य के लिए कहा गया है साथ ही विधानसभा लोनी में निम्न वरीयता क्रम में 2022-23 की कार्य योजना हेतु प्रस्ताव देते हुए फरुखनगर सिरोरा गांव तक सड़क निर्माण कार्य, अस्थल मंदिर से धारीपुर गांव तक सड़क निर्माण कार्य और दिल्ली सहारनपुर मार्ग से अगर वाला गांव तक सड़क निर्माण का कार्य करने के लिए कहा गया है इसके बाद विधानसभा धौलाना मोदीनगर, मुरादनगर और लोनी में लगभग 140 और सड़कों के चौड़ीकरण सुदृढ़ीकरण और निर्माण कार्य को प्रस्ताव भेजा गया है इन सभी प्रस्तावों से गाजियाबाद संसदीय क्षेत्र की विकासात्मक दशा और दिशा और भी बेहतर बनेगी बीते समय से गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र के लोगों की मांग पर ध्यान में रखते हुए यह सार्थक कदम उठाया गया है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर किए गए कड़े इंतजाम, जमीन से आसमान तक रहेगी नजर

गोरखपुर, एजेंसी। कुशीनगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोमवार को प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एयरपोर्ट से लेकर बुद्ध मंदिर तक अभेद सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। एसपीजी और सुरक्षा से जुड़ी अन्य एजेंसियों की पल-पल की गतिविधियों पर नजर होगी। शुक्रवार से डेरा डाली इन टीमों ने कार्यक्रम स्थल देखने के बाद पुलिस प्रशासन संग तैयारियों की समीक्षा कर जरूरत के अनुसार सुरक्षा प्लान में आवश्यक बदलाव किया है। पीएम की सुरक्षा को लेकर जमीन से आसमान तक नजर रहेगी।

एडीजी, आईजी स्तर के एसपीजी अधिकारी नोडल के रूप में यहां आएं हैं। अफसरों ने एक तरफ जहां बुद्ध मंदिर, कार्यक्रम स्थल, भीड़ के इंतजाम, हेलीपैड, एयरपोर्ट के इंतजाम आदि का जायजा लिया। इसके अलावा पुलिस प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों पर चर्चा कर आवश्यक बदलाव किया। इसी तरह खुफिया व अन्य सुरक्षा एजेंसियां सभी तरह के खतरों से जुड़े इनपुट पर काम करेंगीं। एयरपोर्ट से बुद्ध मंदिर तक जमीन से लेकर आसमान तक खुफिया कैमरों के जरिये नजर रहेगी।

भीड़ में विशेष ड्रेस कोड में रहेंगीं सुरक्षा टीमें: सुरक्षा टीमें विशेष ड्रेस कोड में रहेंगीं। ताकि उन्हें अधिकारियों के स्तर से आसानी से पहचाना जा सके और पब्लिक भी विशेष ड्रेस कोड के चलते सतर्क रहें। सुरक्षा एजेंसियों के आने और बैठक के बाद इससे जुड़ी सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

स्नाइपर्स की तैनाती के लिए तैयार हुए टावरः एसपीजी व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के स्नाइपर्स भी कार्यक्रम के दौरान पीएम की सुरक्षा में तैनात किए जाएंगे। स्नाइपर्स को किस तरह कहां तैनात किया जाना है। इसके लिए सुरक्षा एजेंसियां व अफसरों ने मंथन कर तथा एयरपोर्ट, हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल की लोकेशन देखने के बाद आवश्यक निर्णय लिया।

इनके जिम्मे रहेगी सुरक्षा व्यवस्थाः एसपीजी, एटीएस, एनएसजी, एसपी(कई), एएसपी(कई), डिप्टी एसपी(कई), पैरामिलिट्री व पीएसी, तीन हजार से अधिक नागरिक पुलिस, पांच सौ पुलिसकर्मी सादे वस्त्र में तैनात रहेंगे।

सुरक्षा व्यवस्था के डीआइजी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पीएम के कार्यक्रम और उनकी सुरक्षा को लेकर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। एसपीजी शुक्रवार से ही यहां डेरा डाले हुए हैं। अन्य एजेंसियां भी सुरक्षा व्यवस्था में सक्रिय हैं।

उत्तर प्रदेश के 13 शहरों में बनाये जायेंगे नेचुरल पिकनिक स्पॉट

लखनऊ, एजेंसी। शहरों की हरियाली बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने एक अभिनय पहल की है। इस पहल के तहत सरकार अगले छह महीने में 13 शहरों में 26 जगहों पर सिटी फारेस्ट विकसित कर हरियाली बढ़ाएगी। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि योगी सरकार ने इसके लिए गोरखपुर, वाराणसी के अलावा आगरा, फिरोजाबाद, झांसी, कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, हरदोई, हाथरस, इटावा, हरदोई, रायबरेली, मुरादाबाद और अमरोहा को चुना है। इन वनों के विकसित होने पर पर्यटकों को नेचुरल पिकनिक स्पॉट का एक विकल्प मिलेगा। साथ ही मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार इको टूरिज्म के दायरे का भी विस्तार होगा। स्थानीय स्तर पर रोजी-रोटी के अवसर मिलना इस अभिनव योजना का बोनस होगा। हर नगर वन के लिए केंद्र की ओर से निधारित 2 करोड़ की धनराशि में से 1.40 करोड़ रुपये की धनराशि राज्य सरकार को जारी कर दी गई है। जल्द ही यह धनराशि संबंधित जिलो को काम शुरू कराने के लिए उपलब्ध करा दी जाएगी। उम्मीद है कि विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून) पर इस संबंध में पौधरोपण की शुरूआत भी हो जाएगी।

नगर वन में बनेंगे स्मृति वन, आरोग्य और नक्षत्र, वाटिका

यह वन क्षेत्र बाउंड्री या बाड़ से घिरे होंगे। इनमें स्मृति वन, आरोग्य वाटिका, नक्षत्र वाटिका और हरिशंकरी वाटिका बनाई जाएगी। जैव-विविधता के लिए इसमें सभी प्रकार की सजावटी, झाड़ियां, बेलदार, औषधीय पौधे, फूल और फलों के पौधे लगाए जाएंगे।

विधायक और ब्लॉक समिति के अध्यक्ष की हत्या की साजिश रचने में दो गिरफ्तार

भदोही, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) के विधायक विपुल दुबे और ब्ला क समिति के अध्य क्ष मनोज मिश्रा की हत्या की साजिश रचने के आरोप में आगरा जेल में बंद पूर्व विधायक विजय मिश्रा, उनकी पूर्व एमएलसी पत्नी, भतीजा और बेटी सहित कुल छह लोगों के खिलाफ जिले के गोपीगंज थाना में रविवार को मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में दो सुपारी किलर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक डाक्टर अनिल कुमार ने रविवार को बताया कि शनिवार को एक वीडियो सामने आया जिसमें ज्ञानपुर के विधायक विपुल दुबे की हत्या करके यहां उपचुनाव करने की बात की जा रही थी। उन्होंने बताया कि मामले का संज्ञान लेकर सदाम हुसैन, सोनू तिवारी उर्फ शिव कुमार तिवारी को हिरासत में लेकर दोनों से पूछताछ की गई। उन्होंनने बताया कि पूछताछ में दोनों ने पुलिस को जानकारी दी कि आगरा जेल में बंद विजय मिश्रा और उनके भतीजे मनीष मिश्रा यहां कई बार अदालत में पेशी पर आये थे, जहां दोनों ने मिलकर विधायक विपुल दुबे और वर्तमान में डीघ ब्लाक की तीन सदस्यीय समिति के अध्यक्ष मनोज मिश्रा की हत्या को अंजाम देने की साजिश रची थी। पूछताछ के हवाले से उन्होंने बताया कि सद्दाम और सोनू ने पूछताछ में कबूल किया कि हम दोनों विजय मिश्रा की पत्नी रामलली मिश्रा और बेटी रीमा पांडेय से सुपारी की रकम लेने उनके पुराने घर में गए और वहां जो लोग मिले, उनसे चाची और बेटी को बुलाने की बात कहे पर किसी ने इसका वीडियो बना लिया है, यह जानकारी नहीं थी। पुलिस के मुताबिक बलात्कार करने और वाराणसी की गायिका से सामूहिक दुष्कर्म में पीड़िता के घर में घुस कर हमला करने के मामले मे डीघ ब्लाक प्रमुख बनने के बाद मनीष मिश्रा जौनपुर जेल में बंद है। उनके जेल में बंद होने से विकास कार्यों के संचालन के लिए प्रशासन ने डीह ब्लाकक में तीन सदस्यी य समिति बनाकर मनोज मिश्रा को उसका अध्यिक्ष बनाया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्रा, उनकी पत्नी रामलली मिश्रा ,भतीजा मनीष मिश्रा, बेटी रीमा पांडेय और सुपारी लेकर हत्या करने का ठेका लेने वाले सद्दाम हुसैन और सोनू तिवारी उर्फ शिव कुमार के खिलाफ जिले के गोपीगंज थाने में राज कमल तिवारी ने तहरीर दी जिसके आधार पर धारा 386 (मृत्यु की योजना बनाकर वसूली), 120 बी (साजिश) 115 (दंडनीय अपराध के लिए प्रेरित करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंनने बताया कि सद्दाम और सोनू को गिरफ़्तार कर लिया गया है और मामले में जांच की जा रही है। एसपी ने बताया कि विधायक विपुल दुबे के आवास पर पुलिस की गार्द तैनात करने के साथ मनोज मिश्रा को भी सुरक्षा प्रदान कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

बिजनौर में उधार के 30 रुपये मांगने पर दुकानदार की लाठी-डंडों से पिटाई, मौत

बिजनौर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के शिवाला कलां थाना क्षेत्र के एक गांव में उधार के 30 रुपये मांगने पर तीन लोगों ने दुकानदार की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना शनिवार रात की है और पुलिस आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राम अर्ज के मुताबिक, शिवाला कलां थाना क्षेत्र के टांडा ढाकी गांव में परचून की दुकान चलाने वाले यशपाल (50) शनिवार रात जब उधार के 30 रुपये मांगने पहुंचे तो भूपेंद्र, उसके भाई योगेंद्र और आशि ने उनकी लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। राम अर्ज के अनुसार, गंभीर रूप से घायल यशपाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश में जुटी है।

एटा में हाईवोल्टेज करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

एटा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के एटा जिले के जलेसर थाना क्षेत्र में रविवार को एक किसान की हाईवोल्टेज करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। क्षेत्राधिकारी (जलेसर) इरफान खान ने बताया कि नगला धनीराम गांव में 35 वर्षीय किसान योगेश अपने खेत में पानी लगाने के लिए ट्यूबेल पर गया था और जैसे ही उसने पंप चालू करने के लिए तार लगाया, हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

खान के मुताबिक, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। किसान की मौत की सूचना पर गांव पहुंचे भारतीय किसान यूनियन (भालू) के जिला अध्यक्ष पंकज ठाकुर ने शासन-प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। किसान रामपाल ने बताया कि क्षेत्र में कई दिनों से हाईवोल्टेज की समस्या सता रही है, जिससे अक्सर किसानों के सब्मर्सिबल पंप, घरों की लाइटें और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब होते रहते हैं।

एसटीएफ की टीम को खाली प्लॉट में मिला दवाओं का ढेर

आगरा, एजेंसी। पीपल मंडी के सिंगी गली स्थित खाली प्लॉट में रविवार की सुबह दवाओं का ढेर पड़ा मिला है। सूचना पर पहुंची एसटीएफ की टीम ने दवाओं को अपनी जब्त में ले लिया है और कुछ दवाओं के सैम्पल्स को जांच के लिए भेजा। दवाओं की कीमत करीबन 40 लाख रुपये है। रविवार सुबह कुछ लोगों ने पीपल मंडी के सिंगी गली स्थित खाली प्लॉट पर दवाओं के ढेर को पड़ा हुआ देखा। इसकी सूचना पुलिस प्रशासन और डीएम कार्यालय में दी गयी। डीएम कार्यालय से मिली सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम उस स्थान पर जांच के लिए पहुंची। जिसके बाद जांच में एसटीएफ की टीम को 50 डब्बे दवाओं के भरे हुए मिले। एसटीएफ की टीम द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार इन दवाओं से भरे हुए डब्बों में 45 कंपनियों की लगभग 200 तरह की दवाएं हैं। इनमे एंटीबायोटिक, दर्द निवारक दवाएं, हड्डी रोग, हृदय रोग, स्त्री रोग समेत अन्य बीमारियों की दवाएं और इंजेक्शन, स्प्रे और मलहम भी हैं, जिनकी बाजार की कीमत लगभग 40 लाख रुपये बताई गई। इन दवाओं में से कुछ दवाओं की सैम्पल्स को जांच के लिए भेजा गया।

महापौर आईएएस में चाहते हैं विशेष नगरपालिका कैडर

लखनऊ, एजेंसी। देश भर के मेयर भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में एक विशेष नगरपालिका कैडर चाहते हैं और अपने राज्यों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने के लिए 74वें संविधान संशोधन विधेयक को भी लागू करना चाहते हैं। अखिल भारतीय महापौर परिषद ने सर्वसम्मति से संशोधन विधेयक को लागू करने की मांग की है, लेकिन यह भी आरोप लगाया है कि कुछ राज्य इसे इसलिए नहीं अपना रहे थे क्योंकि उन्हें आशंका है कि विधेयक महापौरों को अधिक अधिकार देगा। परिषद के अध्यक्ष नवीन जैन ने कहा कि महापौरों को सशक्त बनाने के अलावा 74वां संशोधन जनता के प्रति उनके कर्तव्यों को भी बढ़ाएगा। जैन ने कहा कि केंद्र सरकार से अखिल भारतीय नगरपालिका अधिनियम बनाने और भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में नगरपालिका संवर्ग बनाने का अनुरोध करने का भी निर्णय लिया गया था। जैन ने आगे कहा कि नगरपालिका संवर्ग के लिए चयनित आईएएस अधिकारियों को उनकी पूरी सेवा अवधि में नगर निगमों में काम करना होगा, जबकि वर्तमान में एक नगर निगम में स्थानांतरित एक आईएएस अधिकारी अपना समय वहीं गुजारता है। नगर निगम संवर्ग में रहते हुए, उसे काम करना होगा। एक नगर निगम में और दूसरे नगर निगम में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इस तरह, वे शहरों के विकास पर अधिक ध्यान देंगे।

पानी को बचाने के लिए हर व्यक्ति को होना होगा जागरूक, प्रधानमंत्री का काम सराहनीय

- समाजसेवियों ने कहा, जल का संरक्षण सरकार का विषय नहीं, इसके लिए जागरूकता की जरूरत

लखनऊ, एजेंसी। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं झाड़ू उठाकर सफाई जागरूकता अभियान की शुरूआत की थी तो बहुतेरे लोग उसे आश्चर्य से देख रहे थे। उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि प्रधानमंत्री के इस तरह के कार्यक्रम से क्या लाभ होगा, लेकिन आज उसका फायदा दिखने लगा है। शहर या गांवों में भी लोग चाय पीने के बाद कुल्हड़ फेंकने के लिए चारों तरफ डस्टबीन की तलाश करते हैं। दुकानों पर भी डस्टबीन दिखने लगा है। उसी तरह पानी को बचाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गयी टपक सिंचाई, फब्बारा सिंचाई प्रणाली आज जल क्रांति का आह्वान करती है। यह नारा भविष्य के लिए एक मंत्र साबित होने वाला है। ये बातें समाजसेवियों ने जल के महत्व व सरकार की पहल पर अपनी बातें रखते हुए कहीं।

इस संबंध में यूपी डवलपमेंट फाउंडेशन के अध्यक्ष और मिशन 'कल के लिए जल' के राष्ट्रीय संयोजक चंद्रभूषण पांडेय ने कहा कि जल को बचाना बहुत जरूरी है। हमारे वेदों में भी जल की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। नदियों की पूजा की गयी है। तालाबों की पूजा आज भी कई प्रदेशों में होती है लेकिन हम धीरे-धीरे इसकी महत्ता को भूल गये। इसका परिणाम रहा कि जल स्रोत नीचे भागता जा रहा है। हम उसका दोहन तो करते जा रहे हैं, लेकिन संरक्षण पर ध्यान नहीं दे रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसको संरक्षित करने के लिए अभियान चलाने की प्रक्रिया शुरू की है। निःसंदेश इसका परिणाम आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

चंद्रभूषण पांडेय ने कहा कि इस दिशा में पीएम मोदी द्वारा चलाई गई टपक सिंचाई प्रणाली,फव्वारा सिंचाई प्रणाली एक जल क्रांति का आह्वान करती है जिसमें 'ईच ड्रॉप मोर क्रॉप' का नारा भविष्य की चुनौती के लिए मंत्र साबित हो सकता है। यह सच्चाई है कि बूंद-बूंद से ही घड़ा भरता है और यह भी सच्चाई है कि बूंद-बूंद की बबार्दी से घडा खाली भी हो जाता है। आज हमारी जो जीवन शैली है उसमें बूंद बूंद की बर्बाद करने की शैली ना केवल भूमिगत जल भंडारों ,तालाब, नदी, नालों, को भी खाली कर दिया है। वही वर्षा काल में प्रकृति द्वारा उपहार रूप में मिलने वाली पानी की बूंदे संरक्षित करने की दृष्टि से हम अपने पूर्वजों द्वारा बताई गई पद्धतियों को विस्मृत कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि भोग वादी सोच से ऊपर उठकर जीवन शैली विकसित करने की जरूरत है।

लक्ष्मी गौ रक्षा ट्रस्ट ने गौमाता के पार्थिव शरीर को हिंदू रीति रिवाज के साथ मिट्टी दी

गौरव राय

लोनी, लक्ष्मी गौ रक्षा ट्रस्ट गाजियाबाद जिले की गौ सेवा के लिए समर्पित एक संस्था है जिसके संचालक अंशु पहलवान ने निस्वार्थ भाव से गौ सेवा करने की ठान रखी है जोकि उनका एक बहुत सराहनीय कार्य है वह लोनी क्षेत्र में जगह-जगह गौमाता के लिए प्याऊँ का निर्माण करवा रहे हैं व जहाँ कहीं क्षेत्र में दुर्घटना आदि से चोटिल हो जाती है उनका पूरा उपचार शासन प्रशासन के सहयोग से एंव स्वंय से भी करते हैं उसी क्रम में बीते रात सूचना प्राप्त हुई कि डीएलएफ के पास गौ माता मृत्यु अवस्था में पड़ी हुई थी सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर अंशु पहलवान एवं उनकी टीम ने पहुंचकर गौमाता के पार्थिव शरीर को हिंदू रीति रिवाज के साथ मिट्टी दी संस्था के संस्थापक अंशु पहलवान ने अपनी पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

यूपी के तेरह शहरों में बनेंगे 26 सिटी फारेस्ट, सुरक्षित होगा पर्यावरण

लखनऊ, एजेंसी। शहर में रहने वालों को अब सुरक्षित पर्यावरण मिल सकेगा। सरकार ने यूपी के 13 शहरों में 26 सिटी फॉरेस्ट बनाकर इसे साकार करने की कोशिशें तेज कर दी है। इस योजना को अगले छह महीने में विकसित कर लिया जायेगा। जिन शहरों को चिह्नित किया गया है, उनमें न सिर्फ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शहर गोरखपुर है बल्कि प्रधानमंत्री मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी है।

इसके अलावा आगरा, फिरोजाबाद, झांसी, कानपुर, औरैया, हरदोई, हाथरस, इटावा, रायबरेली, मुरादाबाद और अमरोहा में भी फॉरेस्ट सिटी बनाए जाने की योजना है। इन शहरों में फॉरेस्ट तैयार होने पर पर्यटकों के साथ स्थानीय लोगों को भी नेचुरल पिकनिक स्पॉट का विकल्प मिलेगा। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार, इससे इको टूरिज्म के दायरे का भी विस्तार होगा। स्थानीय स्तर पर रोजी-रोटी के अवसर मिलना इस अभिनव योजना का बोनस होगा।

नगर वन के लिए केंद्र की ओर से निधारित 2 करोड़ की धनराशि में से 1.40 करोड़ रुपये की धनराशि राज्य सरकार को जारी कर दी गई है। जल्द ही यह धनराशि संबंधित जिलो में काम शुरू कराने को उपलब्ध करा दी जाएगी। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) पर इस बाबत पौधरोपण की शुरूआत भी हो सकती है। नगर वन में बनेंगे स्मृति वन, आरोग्य और नक्षत्र, वाटिकायें वन क्षेत्र बाउंड्री या बाड़ से घिरे होंगे। इनमें स्मृति वन, आरोग्य वाटिका, नक्षत्र वाटिका और हरिशंकरी वाटिका बनाई जाएगी। जैव-विविधता के लिए इसमें सभी प्रकार की सजावटी, झाड़ियां, बेलदार, औषधीय पौधे, फूल और फलों के पौधे लगाए जाएंगे। यहां एडवेंचर स्पोर्ट्स, साइकिल ट्रेक, पाथवेज, आपेन जिम, जागर्स पार्क, बेंच समेत जनसुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेंकटेश दत्ता बताते हैं कि धीरे-धीरे जंगल समाप्त हो गये। अगर यूपी की बात करें तो यहां पर सीतापुर, लखीमपुर, बहराइच, शाहजहांपुर, पीलीभीत में पहले प्राकृतिक जंगल थे। पलाश के वन थे। लकड़ियों के अंधाधुंध कटाई से यह कम हो गए। प्राकृतिक जंगल में पौधे खुद अपने आप आते हैं। इसमें जलवायु के अनुकूल वाली प्रजातियां आ जाती हैं। शहरों के जंगल की योजना में प्राकृतिक जंगल बनाया जाए। सिटी फारेस्ट का जो कांसेप्ट है उसका उद्देश्य है कि शहरों में फारेस्ट के पैचेज हो। जो जगह बची है उसमें प्राकृतिक जंगल बनाया जाय। इसके लिए कुछ तरकीब है।

जापान के एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे अकीरा मियावाकी उन्होंने मियावाकी फॉरेस्ट का कांसेप्ट दिया। जो भारत में अब प्रचलित हुआ है। इसमें कम एरिया में अधिक घनत्व वाले छायादार पौधे प्राकृतिक जंगल तैयार किया जाता है। सिटी फारेस्ट बहुत अच्छा विकल्प है भविष्य में यही जंगल होंगे। सिटी के फेफड़ो को सुरक्षित रखेंगे। शहरों को जलवायु परिवर्तन से बचाएंगे। सूक्ष्म जलवायु को रेग्युलेट करेंगे। तापमान ठीक रहेगा। जंगल बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री अरुण कुमार सक्सेना बताया कि 26 जिलों में फॉरेस्ट सिटी बनाने की योजना है। इसमें अधिक छायादार वाले वृक्ष लगाए जाएंगे। राज्य को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रयासरत है। धार्मिक स्थल में पेड़ लगाए जाने पर ज्यादा जोर है क्योंकि यहां पर पूरी तरह से सुरक्षित रहते हैं। खाली जगहों में नगर वन वाटिकाएं बनाएं जाने की योजना है।

बता दें कि पर्यावरण संरक्षण मुख्यमंत्री योगी की प्राथमिकताओं में से एक है। अपने पहले कार्यकाल से ही उनका जोर प्रदेश में हरियाली का रकबा बढ़ाने का रहा है। लोग इस अभियान से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ें इसके लिए मुख्यमंत्री की पहल पर गंगा के किनारे गंगा वन, नक्षत्र वाटिका, गृह वाटिका, राम वनगमन मार्ग पर उस समय के पौधों का पौधरोपण, विरासत वृक्षों का संरक्षण एवं संवर्धन, ब्रज क्षेत्र में द्वापर युग मे जितने तरह के वनों का जिक्र है उनको केंद्र में रखकर पौधरोपण, अपने पूर्वजों के नाम पर पौधरोपण जैसी योजनाएं शुरू की गयीं।

सीएनजी की कीमतों में दो रुपये की बढ़ोतरी

बढ़ेगा दिल्लीवालों की जेब पर भार

नई दिल्ली, एजेंसी। सीएनजी वाहन का इस्तेमाल करने वाले लोगों की जेब पर बोझ बढ़ने जा रहा है। साथ ही राजधानी में फिर से माल ढुलाई की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका है।

पेट्रोलियम कंपनियों ने 31 दिन के बाद सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। इसके बाद दिल्ली में सीएनजी 73.61 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई हैं। बीते एक वर्ष के दौरान राजधानी में सीएनजी की दामों में 69.60 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिसका असर रोजमर्रा के काम और दफ्तर आने-जाने के लिए सीएनजी वाहन का इस्तेमाल करने वाले लोगों पर पड़ा है। साथ में हल्के व्यावसायिक वाहन जो सीएनजी पर चलते हैं, उनसे माल ढुलाई में भी 20 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।

महंगाई का असर अब चौतरफा दिखाई दे रहा है, जिसके चलते हर आय वर्ग के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं। पेट्रोल, डीजल के साथ घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतें भी बीते वर्षों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। अब सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी से सीधा असर जेब खर्च पर पड़ेगा। सबसे पहले उन लोगों की जेब पर असर पड़ेगा जो सामान्य जीवन में कामकाज या दफ्तर आने-जाने के लिए सीएनजी वाहन का इस्तेमाल करते हैं। इसके बाद उत्पाद की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ेगा। दिल्ली में बड़े गोदामों से दुकान तक सामान लाने के लिए प्रमुख रूप से सीएनजी वाहनों का इस्तेमाल होता है। घरेलू स्तर पर सामान की ढुलाई में करीब 90 फीसदी सीएनजी वाहनों का इस्तेमाल हो रहा है। इसे जाहिर है कि माल भाड़ा बढ़ेगा तो आने वाले दिनों में सभी उत्पादों की कीमतें भी बढ़ेंगी।

इस वर्ष में अबतक 20 रुपये से अधिक बढ़े

इस वर्ष साढ़े चार महीने में सीएनजी की कीमत 20.57 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ी है। जनवरी में सीएनजी 53.04 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी जो अब बढ़कर 73.61 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। अप्रैल में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी की गई। पेट्रोलियम कंपनियों ने चार बार कीमतों को बढ़ाया।

जल्द बढ़ सकता है ऑटो-टैक्सी का किराया

सीएनजी की बढ़ती कीमतों को लेकर राजधानी की ऑटो-टैक्सी यूनियन ने विरोध किया था, जिसके बाद दिल्ली सरकार ने किराए को बढ़ाने के संबंध में एक कमेटी का गठन किया था। अब कमेटी को किराए के संबंध अपनी रिपोर्ट देनी है, जिसके बाद कीमतों को बढ़ाया जाना है। संभावना है कि ऑटो-टैक्सी से सफर करना भी जल्द महंगा होने जा रहा है।

बीजेपी के बुलडोजर के खिलाफ कांग्रेस ने किया बीजेपी मुख्यालय पर प्रदर्शन

सुषमा रानी

नई दिल्ली। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित नगर निगमों द्वारा चलाए गए अतिक्रमण रोधी अभियान के खिलाफ रविवार को यहां डीडीयू मार्ग पर स्थित भाजपा मुख्यालय के निकट प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों को भाजपा मुख्यालय की तरफ बढ़ने के दौरान पुलिस ने अवरोधक लगाकर रोक दिया। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के नेता परवेज आलम ने कहा, "दिल्ली में भाजपा शासित नगर निगम गरीब लोगों के घरों और दुकानों को गिराने के लिए ये अभियान चला रहे हैं। इस अभियान के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता अपना विरोध जारी रखेंगे।" कांग्रेस के पूर्व सांसद रमेश कुमार और पूर्व पार्षद अनिल मित्तर सहित पार्टी के कई अन्य नेताओं और कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजधानी में तीनों नगर निगमों पूर्व, उत्तर, दक्षिण में भाजपा सत्तारूढ़ है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि निगम के अधिकारी अतिक्रमण रोधी अभियान की आड़ में गरीबों के घरों और दुकानों को निशाना बना रहे हैं। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, "भाजपा शासित निगम अतिक्रमण नहीं हटा रहे हैं बल्कि गरीबों के घरों और दुकानों को तोड़ रहे हैं। यह सही नहीं है। जब यह तथाकथित अतिक्रमण किया जा रहा था तब वे लोग कहां थे? गरीबों का यह उत्पीड़न बंद होना चाहिए।"

देवली में चाकू से गोदकर नाबालिग को मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। देवली इलाके में शनिवार रात एक शराब के ठेके के सामने हुए विवाद के बाद तीन नाबालिगों ने एक नाबालिग की चाकू से गोद कर हत्या कर दी। शराब के ठेके पर लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई।

मामले की सूचना के बाद पहुंची नेब सराय थाना पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से तीनों नाबालिगों की पहचान कर उन्हें दबोच लिया। तीनों नाबालिग देवली गांव के ही रहने वाले हैं। पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला है कि दोनों पक्षों में 15 दिन पहले किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उनके बीच रंजिश चल रही थी। शनिवार देर रात पीड़ित किसी काम से देवली आया था। आरोपी उसकी पहले से ही रेकी कर रहे थे और रात करीब साढ़े नौ बजे मौका देखकर उस पर हमला कर दिया।

पुलिस को शनिवार रात 9:30 बजे के लगभग पीसीआर के जरिये सूचना मिली थी कि देवली में एक शराब के ठेके के बाहर नाबालिग पर बाइक से आए तीन लड़कों ने चाकू से हमला कर दिया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा पीड़ित खून से लथपथ सड़क पर पड़ा था। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की तो आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से उस बाइक का नंबर मिल गया जिससे तीनों आरोपित वारदात करने आए थे। पुलिस बाइक के नंबर के आधार पर एक आरोपी तक पहुंच गई। उसकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपियों को भी दबोच लिया। जांच में पता चला है कि दोनों पक्षों में पहले से रंजिश थी जिसका बदला लेने के लिए नाबालिग की हत्या की गई।

हेल्थ मिनिस्टर ने केदारनाथ के लिए सिक्स सिग्मा- स्टार फाउंडेशन की डिजिटल एक्स रे व लैब का किया शुभारम्भ !

केदार में प्रतिदिन घोड़े व खचर से गिर कर यात्रियों की टूटी हड्डी अब सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर जोड़ेगाङ्गजी हाँ अब केदारनाथ धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए सिक्स सिग्मा हाई ऐल्टिट्यूड मेडिकल सर्विस और स्टार वेलनेस एंड केयर फाउंडेशन ने हाथ मिलाया है। इस कार्य का मूल उद्देश्य बाबा के भक्तों को निरोग व स्वस्थ रखना है।

सिक्स सिग्मा हाई ऐल्टिट्यूड मेडिकल सर्विस और स्टार फाउंडेशन के स्वास्थ्य मिशन अभियान के तहत संचालित मुफ्त पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे सुविधा की शुरूआत जिला अधिकारी आवास पर की गई। इस शुभारंभ के अवसर पर उत्तराखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सिक्स सिग्मा हाई ऐल्टिट्यूड मेडिकल सर्विस टीम ने चारधाम यात्रा को सुशोभित किया है। श्री रावत जी ने मेडिकल टीम की तारीफ करते हुए कहा कि संस्था के आने से यात्रियों को अच्छी मेडिकल सर्विस मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि प्रत्येक श्रद्धालु निर्विघ्न यात्रा करें। सिक्स सिग्मा हाई ऐल्टिट्यूड मेडिकल सर्विस और स्टार फाउंडेशन के कर्मी कठिन परिस्थितियों में यात्रियों को चिकित्सा सुविधा प्रदान कराने के लिए बधाई के पात्र है और दोनों संस्थाओं के सहयोग से शुरू की गई व्यवस्था से हजारों शिव भक्तों को लाभ मिलेगा।

इस मौके पर रुद्रप्रयाग के विधायक श्री भरत सिंह चैधरी ने कहा कि 2013 में आई त्रासदी के बाद से धाम में यात्रियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं बेहतरीन हो गई है, जिसका पूर्ण श्रेय सिक्स सिग्मा हाई ऐल्टिट्यूड मेडिकल सर्विस की टीम को जाता है और अच्छे चिकित्सा प्रबंध होने से केदारनाथ धाम में यात्रियों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है।

चिकित्सा अभियान को संभोधित करते हुए केदारनाथ की विधायक शैला रानी रावत ने कहा कि केदारनाथ धाम पर दी जा रही स्वास्थ्य सेवा में सिक्स सिग्मा की टीम ने झंडा ऊंचा किया है। संस्था की मेडिकल टीम बाबा के धाम पर श्रद्धालुओं को चैबीसों घंटे स्वास्थ्य सेवा प्रदान करा रही है यदि टीम को किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है तो सरकार की ओर से भरपूर सहयोग दिया जाएगा। कार्यक्रम में रुद्रप्रयाग जनपद के जिला अधिकारी श्री मयूर दीक्षित जी व पुलिस अधीक्षक श्री आयुष अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

झूठे वायदों का सरकार पर आरोप लगाते हुए भाजपा ने चलाया पोल-खोल अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने आज राज्य की केजरीवाल सरकार पर झूठे वायदे का आरोप लगाते हुए पोल खोल अभियान की शुरूआत की और भाजपा नेताओं ने 8235 बूथों पर जनता के बीच जाकर वायदों का पदार्फाश किया। अलग-अलग इलाकों में भाजपा के सांसद, विधायक, भाजपा पदाधिकारियों ने जनविरोधी नीतियों के विस्तृत विवरण वाले पैम्पलेट घर-घर जाकर बांटे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आज राजेन्द्र नगर विधानसभा के दशघरा में कहा कि आज पूरी दिल्ली में केजरीवाल के झूठे वायदों और भ्रमक प्रचार का पदार्फाश किया जा रहा है। पिछले सात साल में केजरीवाल ने जनता से वायदे किए और उनको पूरा नहीं किया है। दिल्ली की जनता को मुंगेरी लाल के सपने दिखाने के अलावा कुछ नहीं किया। दिल्ली को लंदन-पेरिस बनाने की बात करने वाले केजरीवाल ने दिल्ली को दंगों की राजधानी बना दिया है। राजेंद्र नगर में राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आर पी सिंह, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गजेन्द्र यादव, विधायक अजय महावर एवं जिला अध्यक्ष राजेश गोयल उपस्थित थे।

सेवा बस्ती तेखंड में दक्षिणी दिल्ली सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल ने वायदा किया था कि वह गरीबों के लिए 65000 फ्लैट और 1.5 लाख शौचालय बनवाएंगे लेकिन सिर्फ 318 फ्लैट, 16 हजार शौचालय बने। नए राशन कार्ड बन नहीं रहे, 11 लाख आवेदन लंबित हैं। साफ पानी मिला नहीं जल बोर्ड पर 57 हजार करोड़ का लोन हो चुका है। बसें मिलती नहीं क्योंकि 11 हजार नई बसें लाने का वायदा था, आज डीटीसी के पास सिर्फ 3670 बसें बची हुई है।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज मोलड़बंद विस्तार में आरडब्ल्यूए, समाजिक संगठनों एवं व्यापारी वर्ग के साथ केजरीवाल सरकार की विफलताओं पर पोल खोल अभियान की शुरूआत की और कहा कि अपने झूठे वादों, भ्रमक प्रचार से केजरीवाल सरकार ने जनता को ठगा है। दिल्ली में न नल से जल आता है और मोहल्ला क्लीनिक में गलत दवाईयां दी जाती हैं।

दिसंबर तक बुराड़ी में नई सीवर लाइन डाली जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। बुराड़ी में नई सीवर लाइन डाले जाने की योजना है। यह सीवर लाइन कुल 25 किलोमीटर में फैली होगी। इससे करीब 50 हजार लोगों को फायदा मिलेगा। इससे क्षेत्र में साफ-सफाई रखने व यमुना नदी में सीवेज डाले जाने से रोकथाम करने में मदद मिलेगी। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल यहां सीवेज लाइन नहीं है।

जानकारी के मुताबिक, सीवर लाइन नहीं होने से इलाके की गलियों में लगातार गंदगी और नालियों का पानी ओवरफ्लो होने समस्या बनी रहती है। सीवर का यह गंदा पानी छोटे नालों से होकर बिना साफ किए यमुना नदी में गिरता है। खुले में सीवेज का पानी बहने से लोगों को मलेरिया, डेंगू, हैजा समेत अन्य बीमारियां होने का खतरा रहता है। दिसंबर के अंत तक यहां नई सीवर लाइन डाल दी जाएगी।

दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक, नई सीवर लाइन डालने के बाद यहां से निकलने वाले सीवेज को तिमारपुर के कोरोनेशन सीवेज उपचार संयंत्र तक पहुंचाया जाएगा। जिससे इस पानी को साफ किया जाएगा। नई सीवर लाइन डालने से यमुना नदी के प्रदूषक तत्व कम करने में मदद मिलेगी। दरअसल, वर्ष 2024 तक यमुना नदी को साफ करना है। फिलहाल निशुल्क सीवर कनेक्शन दिए जा रहे हैं।

नेहरू युवा केंद्र, दक्षिणी दिल्ली द्वारा योग महोत्सव का आयोजन किया गया

देश भर के सभी जिलों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में 75,000 से अधिक युवाओं ने भाग लिया

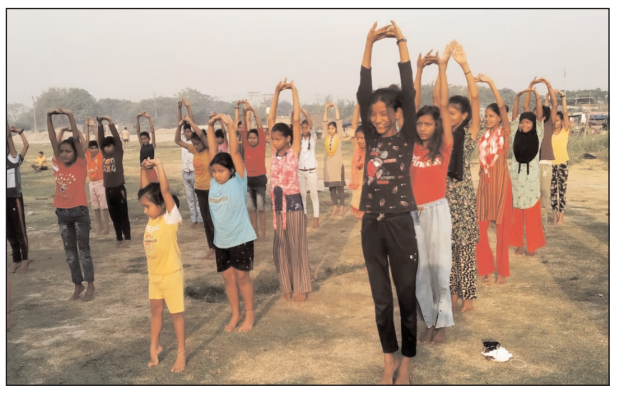

नेहरू युवा केंद्र संगठन (ठ डर) देश भर के सभी जिलों में योग महोत्सव आयोजित करने के लिए तैयार रहते है, जिसमें 75,000 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। नियोजित प्रमुख गतिविधियों में सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास, योग विराम (वाई-ब्रेक) अभ्यास, विशेषज्ञों द्वारा योग पर व्याख्यान, योग कार्यशालाएं, योग प्रदर्शन और योग संबंधी प्रतियोगिताएं शामिल होती हैं। आयुष मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के लिए 100-दिवसीय उलटी गिनती कार्यक्रम के हिस्से के रूप में इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

नेहरू युवा केंद्र संगठन मार्च 2022 से जिला नेहरू युवा केंद्र के माध्यम से सक्रिय रूप से 100-दिवसीय उलटी गिनती गतिविधियों का आयोजन कर रहा है और अब तक, सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार 5087 अभ्यास सत्र पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं, जिसमें 84,000 युवाओं ने भाग लिया है। इसके अलावा, 80,000 युवाओं और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ 750 वेबिनार/सेमिनार और 1000 ज्ञान प्रतियोगिताएं (प्रश्नोत्तरी, निबंध और पेंटिंग) आयोजित की गई हैं।

वर्ष 2015 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना के बाद से नेहरू युवा केंद्र संगठन ने पिछले 7 वर्षों के दौरान 6.5 करोड़ से अधिक युवाओं को योग की तह में सफलतापूर्वक लामबंद किया है। योग अभ्यास केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि यह व्यक्ति के समग्र विकास के उद्देश्य से एक पहल है। यह व्यक्ति और समाज की भलाई की सुविधा प्रदान करता है और आंतरिक मानवीय मूल्यों को मजबूत करता है। जीवन के एक तरीके के रूप में योग हमारे देश के भविष्य के लिए नागरिकों की एक फिट और स्वस्थ पीढ़ी को बढ़ाने के व्यापक संदर्भ में अधिक महत्व रखता है। नेहरू युवा केंद्र संगठन ने विभिन्न कार्यक्रमों में योग @ होम और योग को लोकप्रिय बनाने जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे देश के नागरिकों की जीवन शैली का एक स्थायी हिस्सा बनने के लिए योग को बढ़ावा दिया है।

नेहरू युवा केंद्र संगठन का इरादा इस गति को आगे बढ़ाने और 21 जून 2022 को बड़े पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव में परिणत गतिविधियों का निर्माण करने का है।

यह कार्यक्रम सभी नेहरू युवा केंद्र के यूथ क्लब और एनवाईवी ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने का पूर्ण कोशिश कर रहे हैं दक्षिणी दिल्ली के सभी ब्लॉक में यह कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है जैसे अशोका फतेहपुर बेरी श्रीनिवासपुरी फतेहपुर महरौली देवरी खानपुर जैतपुर मोलरबंद इत्यादि जगहों पर साउथ दिल्ली महरौली के सभी एनवाईवी और यूथ क्लब मिलकर इस भव्य कार्यक्रम को को संपूर्ण सफल बनाने के लिए पूर्ण रूप से तैयारी कर रहा है

संक्षिप्त समाचार

अब नरेला में प्लास्टिक फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली, सुषमा रानी। दिल्ली के नरेला में एक प्लास्टिक फैक्ट्री में शनिवार रात आग लग गई. कड़ी मशक्कत के बाद रविवार सुबह आग पर काबू पा लिया गया है. जानकारी के अनुसार आज बुझाने के लिए दमकल की 27 गाड़िया मौके पर पहुंची थी.

गनीमत ये रही कि हादसे के समय कोई फैक्ट्री में मौजूद नहीं था. डिविजन फायर ऑफिसर एसके दुआ ने बताया कि रात 9 बजकर 10 मिनट पर नरेला इंडस्ट्री इलाके से आग गई, जिसके बाद दमकल की 27 गाड़ियों के मौके पर भेजा गया. किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. फायर विभाग के एडीओ, एके शर्मा ने बताया कि रात में आग1232628 पूरी तरह बुझ गई थी लेकिन अंदर छोट-छोटे मटेरियल थे और दोबार उस पर पानी न पड़ने की वजह से दोबारा आग लग गई. वहीं एडीओ एके शर्मा ने बताया कि फैक्ट्री की गहराई बहुत ज्यादा है और इमारत मे हीट ज्यादा होने के कारण हम फैक्ट्री में घुस नहीं पा रहे हैं. इसलिए हम बाहर से पानी डाल रहे हैं. इमरात अभी भी असुरक्षित है, मटेरियल बहुत ज्यादा भरा हुआ है.

किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

भोरगढ़ फायर स्टेशन के फायर स्टेशन इंचार्ज, ओपी कटारिया ने कहा कि रात 9:10 बजे हमें सूचना आग की सूचना मिली घटनास्थल पर दमकल की 20 गाड़ियां भेजी गई. आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है. किसी के हताहत होने या चोट लगने की सूचना नहीं है. आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, पुष्टि जांच के बाद ही होगी.

अरविन्द केजरीवाल की जान को खालिस्तानियों से खतरा

नई दिल्ली, सुषमा रानी। पंजाब पुलिस ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जान को खालिस्तानी आतंकियों से खतरा बताया है. राज्य पुलिस ने दिल्ली पुलिस से अपील की है कि आतंकी खतरे को देखते हुए अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा और ज्यादा बढ़ाई जाए.

राजधानी पुलिस ने पंजाब पुलिस की ये अपील यह कहते हुए खारिज कर दी कि केजरीवाल को पहले से ही केंद्रीय गृह मंत्रालय से जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई है. उन्हें और ज्यादा सिक्योरिटी की जरूरत नहीं है. दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा, ह्यअरविंद केजरीवाल की सुरक्षा के संबंध में पंजाब पुलिस से एक लैटर मिला था. जिसको गृह मंत्रालय को भेजा गया था. मंत्रालय ने इसपर कहा कि केजरीवाल के लिए दिल्ली पुलिस जेड प्लस कैटेगरी की सिक्योरिटी ही जारी रखेगी. लेकिन अगर पंजाब पुलिस के पास केजरीवाल की जान को खतरा होने के संबंध में कोई जरूरी खुफिया इनपुट है, तो इसे तुरंत दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के साथ शेयर करें ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। हालांकि गृह मंत्रालय ने इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है. एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, ह्यदिल्ली के मुख्यमंत्री की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस के पास पर्याप्त संख्या में कर्मी हैं. हर श्क्ष व्यक्ति के लिए खतरे का आकलन नियमित रूप से किया जाता है. अगर जरूरत पड़ी तो हम सुरक्षा को और बढ़ाएंगे.

युवक को उसकी पत्नी के सामने पीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर में शुक्रवार को पुरानी रंजिश में तीन लोगों ने एक युवक को उसकी पत्नी के सामने पीटकर अधमरा कर दिया। उसकी पत्नी ने बचाने का प्रयास किया तो उसके साथ भी मारपीट की। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित संजू ज्योति नगर के मीत नगर में रहते हैं। वह कैब चलाते हैं। शुक्रवार वह अपनी पत्नी के पास में रहने वाले एक रिश्तेदार के घर गए थे। रात को पैदल लौटते वक्त लोनी गोल चक्कर पर रोहित नाम के युवक ने उन्हें रोक लिया। रोहित भी कैब चलाता है। दोनों के बीच पुरानी रंजिश चल रही है। रोहित ने फोन कर अपने दो साथियों को बुला लिया। इसके बाद संजू की पिटाई शुरू कर दी। उसके बेसुध होने के बाद तीनों वहां से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल संजू को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उचार चल रहा है।

सामान्य सीटों पर दाखिले का फिर मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। निजी स्कूलों में नर्सरी से लेकर पहली कक्षा की सामान्य श्रेणी की खाली सीटों पर दाखिला को लेकर एक बार फिर से मौका मिल सकता है। शिक्षा निदेशालय ने निजी स्कूलों से शैक्षणिक सत्र 2021-22 की खाली सीटों को लेकर ब्यौरा मांगा है। जिसको लेकर शिक्षा निदेशालय की ओर से परिपत्र भी जारी किया गया है। इन खाली सीटों को शैक्षणिक सत्र 2022-23 में आगे बढ़ाकर समायोजित किया जाएगा। दरअसल, कुछ निजी स्कूलों ने दावा किया था कि वह प्रवेश स्तर की सामान्य स्तर की सीटों को नहीं भर सके थे। इस संबंध में निदेशालय ने एक प्रारूप जारी कर स्कूलों से खाली सीटों को लेकर जानकारी मांगी है। जिससे दाखिले को इच्छुक आवेदकों को सीटों पर आवेदन के लिए आमंत्रित किया जाएगा। शिक्षा निदेशालय के पोर्टल के जरिए खाली सीटों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

हवाईअड्डे पर तस्करी में विदेशी धरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हवाईअड्डे पर कस्टम विभाग ने सांभर के दो सींग के साथ एक विदेशी को गिरफ्तार किया है। मूल रूप से रूस निवासी आरोपी के पास सांभर के दो सींग बरामद हुए हैं। कस्टम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक वाल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संपादकीय

कांग्रेस का परिवारवाद

हाल के पांच राज्यों में बुरी हार के बाद लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस ने परिवारवाद से तौबा करने का फैसला किया है। उदयपुर में कांग्रेस के चिंतन शिविर में पार्टी ने फैसला किया है कि अब एक परिवार से केवल एक ही टिकट मिलेगा। जिसे भी टिकट दिया जाए, उसने कम से कम 5 साल पार्टी में काम किया हो। सीधे टिकट नहीं दिया जाए। नए आने वालों नेताओं को टिकट नहीं मिलेगा। यहां तक सब कुछ ठीक था, नेताओं को परिवारवाद को लेकर गंभीर पाठ पढ़ाने वाली कांग्रेस में इस बदलाव की चर्चा भी शुरू हो गई, मगर बात जब गांधी परिवार पर आई तो उसे इस नियम में छूट दी जाएगी। यह फामूर्ला उन पर लागू नहीं होगा। यानी पार्टी पर गांधी परिवार का एकाधिकार पहले की तरह बना रहेगा, दूसरे नेताओं को परिवारवाद का पाठ याद करके ही आगे बढ़ना होगा। इस दोतरफा फैसले से पार्टी वह संकेत दे पाने में विफल रही, जिसकी उम्मीद लगाई गई थी। यदि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में बुरी तरह पराजित होने के बाद भी गांधी परिवार विक्टिम कार्ड का सहारा लेकर कांग्रेस को अपने कब्जे में बनाए रखना चाहता है, तो पार्टी के साथ-साथ देश को भी अपनी निजी जागीर समझने की अपनी सामंती मानसिकता के कारण ही। इस मानसिकता का प्रमाण यह है कि चुनाव वाले राज्यों के कांग्रेस अध्यक्षों से तो इस्तीफा देने को कह दिया गया, लेकिन गांधी परिवार अपनी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं-और वह भी तब, जब सारे फैसले उसकी ओर से ही लिए गए। यह देखना दयनीय है कि पार्टी संचालन के तौर-तरीकों से असहमत जी-23 समूह के नेताओं में से कपिल सिब्बल को छोड़कर अन्य किसी ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में आस्था जताना बेहतर समझा। देश के 5 राज्यों के चुनाव में आया जनादेश बिल्कुल स्पष्ट है। मतदाता कांग्रेस से पूरी तरह मुंह फेर चुके हैं। किसी ने सोचा भी न था कि भारत की सबसे पुरानी पार्टी को ऐसे दिन भी देखने पड़ेंगे। यह सिलसिला 2014 में शुरू हुआ जब मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने बहुमत से लोकसभा चुनाव जीता। इतने वर्षों बाद भी खुद को संभाल पाने में कांग्रेस विफल रही। भाजपा कांग्रेस पर परिवारवाद चलाने का आरोप लगाती रही। जी-23 नेताओं ने पहले ही पार्टी नेतृत्व से संकट हल करने को कहा था लेकिन इसे बगावत समझा गया। कांग्रेस हाईकमान यह समझने को तैयार नहीं है कि गांधी-नेहरू के नाम पर वोट मांगने का समय बहुत पीछे छूट गया है। नई पीढ़ी अलग तरीके का दृष्टिकोण रखती है। कांग्रेस को पुनः शक्ति हासिल करनी है तो परिवारवाद को पीछे छोड़कर एकजुटता बढ़ाए। पार्टी संगठन का चुनाव कराए और नए नेतृत्व को उभरने दे। कांग्रेस की हार की एक वजह यह भी है। निचले स्तर पर उत्साह से काम करने वालों की बहुत कमी है। किसी भी पार्टी की हार जीत में यही निचले स्तर के कार्यकताओं की अहम भूमिका होती है। पार्टी कार्यकर्ता को उम्मीद है कि वह अच्छा काम करेगा तो उसे आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। भाजपा कार्यकर्ता पीएम मोदी को देखकर सोच तो सकता है कि वह भी भाजपा का काम कर एक दिन पीएम बन सकता है। पर कांग्रेस का कार्यकर्ता यह सोच नहीं सकता क्योंकि वह जानता है कि वह कितना भी काम कर लें वह एक पीएम नहीं बन सकता। कांग्रेस में पीएम तो गांधी परिवार का सदस्य ही बन सकता है। भाजपा सत्ता में है, इसलिए वह जानती है कि इसी वजह से उसमें आने वाले दिनों परिवारवाद बढ़ेगा, इससे पहले पार्टी के लिए परिवारवाद गंभीर समस्या हो जाए उसका इलाज पीएम मोदी ने शुरू कर दिया है। जबकि कांग्रेस सहित अन्य दलों में परिवारवाद की बीमारी गंभीर बीमारी बन चुकी है।

बेटियों को आत्मनिर्भर बनाती शिवराज सरकार

-निलय श्रीवास्तव-

मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां बालिकाओं के शैक्षणिक विकास तथा महिलाओं के सम्मान के लिये अनेक योजनाएं तथा कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इस दिशा में वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली लक्ष्मी योजना की अभिनव पहल की थी। उनके अथक प्रयासों से इस योजना को क्रियान्वित किया गया। लम्बे अंतराल के बाद इसके सुखद तथा आश्चर्यजनक परिणाम सामने आये हैं। सबसे अहम यह है कि लिंगानुपात में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चाहते हैं कि बेटियां खूब पढ़ें और आगे बढ़ें। उनके शब्दों में बेटियों के बारे में समाज में पायी जाने वाली नकारात्मक सोच, लड़कों के मुकाबले उनकी कम होती संख्या मुझे हमेशा से कचोटती और झकझोरती रही है। बेटियों के लिये कुछ सकारात्मक करने की तड़प मेरे मन में सदा से रही है। सौभाग्य से प्रदेश की बेटियों के लिए कुछ करने का अवसर मुझे मुख्यमंत्री बनने के बाद मिला। मैंने बिना देरी किए बालिकाओं के सवार्गीण विकास को सुनिश्चित बनाने वाली योजनाएं बनाने का निश्चय किया। मेरे इस निश्चय के परिणामस्वरूप बनी योजनाओं में से एक है लाडली लक्ष्मी योजना। इस योजना से हम समाज का नजरिया बदलने में सफल रहे हैं। मेरा संकल्प है कि प्रदेश की बेटियां सशक्त होकर आगे बढ़ें। आज प्रदेश में बयालिस लाख से अधिक लाडली लक्ष्मी बेटियां हैं। मैं चाहता हूं कि मेरी बेटियां प्रशासनिक अधिकारी, डाक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्राध्यापक बने और हमारे प्रदेश का नाम रोशन करें। लाडली लक्ष्मी योजना को लागू किए डेढ़ दशक से अधिक का समय बीत चुका है। इस योजना का लाभ लेकर हजारों बेसहारा निर्धन कन्याएं स्वावलम्बी बन गयीं। अनेकों शादी कर अपना घर बसा चुकी हैं। लाडली लक्ष्मी योजना को मध्यप्रदेश में सफलता मिलते देख देश के कई राज्य इसका अनुसरण कर रहे हैं। दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, गोवा राज्यों ने लाड़ली लक्ष्मी योजना को लागू किया है।

मध्यप्रदेश में लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ अधिक से अधिक बालिकाओं को मिले इसे ध्येय बनाकर सरकार ने अनेक योजनायें बनाई हैं। प्रदेश में अब हर वर्ष 2 से 12 मई तक लाड़ली लक्ष्मी उत्सव मनाया जाएगा। साथ ही यह भी निर्धारित किया गया कि ऐसी ग्राम पंचायत जहां लाडलियों का सम्मान हो, बाल विवाह न हो, स्कूलों में शत प्रतिशत प्रवेश हो तथा कोई लाड़ली कुपोषित न हो, उस ग्राम पंचायत को मध्यप्रदेश सरकार लाड़ली लक्ष्मी पंचायत का पुरस्कार प्रदान करेगी। विगत 8 मई को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में लाडली लक्ष्मी योजना पर केंद्रित एक गरिमामय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली लक्ष्मी योजना-2 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की, अब आईआईटी, आईआईएम सहित अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के लिये लाड़ली लक्ष्मी की पूरी फीस सरकार भरेगी। कालेज में प्रवेश करने पर साढ़े बारह हजार रुपए अलग से दिए जाएंगे। मध्यप्रदेश में 52 जिलों के 313 विकासखंडों के 52,117 गांवों में योजना के तहत अब तक 42 लाख से अधिक बालिकाओं का पंजीयन किया जा चुका है। लाडली लक्ष्मी योजना निधि में 10,654 करोड़ रुपयों की राशि जमा की गई हैं। जरूरतमंद बालिकाओं के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा लाडली लक्ष्मी ई-संवाद ऐप का लोकार्पण भी किया गया है।

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

संपादक : मो. अकिलुर रहमान

E-mail : rajnitikdaon@gmail.com

Mob-9560268603

संजीव ठाकुर

नए भारत की संकल्पना और विसंगतियों के नित नए आयाम

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2022 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय होगा, जहां अमीरी गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाएगा, पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है' भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरूआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 131 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया' वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाए' संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पाया' हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगा' केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती है' गरीबों को अनाज देने के साथ-साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे, तब जाकर देश की स्थिति सुधर सकती है' हमें गरीबी के अनेक स्वरूपों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए हमें पिछड़ी जाति, दलित, दिव्यांग, महिलाएं, गरीब बच्चे के लिए सर्वाधिक योजनाओं को महत्व देकर निशुल्क शिक्षा,रोजगार गारंटी तथा कौशल विकास तथा पारदर्शी स्वास्थ्य योजनाओं को हर पंचवर्षीय योजना में लागू किया जाना होगा, पर अब हर वर्ष नई नई योजनाएं बनाकर उस पर प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर सफल बनाना होगा' यह सर्वविदित है कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही नवीन भारत का मार्ग प्रस्तुत हो सकता है' भारतीय समाज में जातिवाद एक बड़े नासूर की तरह हम सबके समक्ष खड़ा है' जात

पात को खत्म करने के लिए स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात कई महान पुरुषों ने अपना जीवन लगा दिया था, जिनमें प्रमुख ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम उल्लेखनीय है' इनके समुचित प्रयास के बाद भी जातिवाद को आज भी भारत में खत्म नहीं किया जा सका है, बल्कि यह बड़े रूप में सामने आए हैं एवं राजनीतिक समीकरण के कारण यह और उभर कर सामने आया है' जिसका फायदा राजनीतिज्ञ अपने चुनाव के समय वोटर को अपने पक्ष में करने के लिए उठाते हैं' 1947 के बाद स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 1955 में सिविल अधिकार एक्ट लागू किया इसके बावजूद हालात जस के तस हैं' हमारा देश एक बहू धार्मिक सांस्कृतिक एवं विविधता वाला देश है ' भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में माना जाता है। सांप्रदायिकता को रोकने के लिए संसद में अनेक संशोधन हुए हैं इसके बावजूद देश में धार्मिक सौहार्द बनाने में बहुत असफलताएं सामने आई है। यहां सांप्रदायिक दंगे भी हुए हैं, जिसे सरकार रोकने का भरसक प्रयास करती रही लेकिन सदैव उन्हें असफलता ही हाथ लगी है' संप्रदाय, जाति प्रथा, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा चर्च के विवाद के कारण ही सांप्रदायिकता सदैव खतरे में रही है' सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाने के कई पहलुओं पर गहन चिंतन मनन भी किया गया पर इसमें बहुत बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है, सांप्रदायिकता के साथ जुड़ी हुई आतंकवाद की घटनाएं हुई इस संदर्भ में जोड़ी जाती रही है' आतंकवाद, नक्सली समस्या केवल भारत देश की नहीं है यह अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले चुकी है' भारत आतंकवाद से स्वतंत्रता के बाद से लगभग 73 वर्ष से इस समस्या से जूझ रहा है कश्मीर में आतंकवाद, झारखंड, बिहार, बस्तर, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में नक्सली समस्या अपना सिर उठा चुकी है' हमारे परंपरागत दुश्मन वैसे तो पाकिस्तान और चीन है पर पाकिस्तान और तालिबान एक साथ मिलकर कश्मीर में आतंकवाद का तांडव मचाकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर भी किया है' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल से भारत को स्वच्छ निर्मल और स्वस्थ रखने की नई योजनाओं को लागू कर उस पर अमल करना शुरू किया है। स्वच्छ भारत भी एक अभियान की तरह भारत में प्रचलित है' महात्मा गांधी की सदैव कल्पना रही है कि भारत स्वच्छ रहे और इसी कार्यक्रम में सरकार ने सभी शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय बनाने की योजना को तीव्र स्तर पर लागू भी किया है' पर यह शत-प्रतिशत अनुपालन में नहीं आई है' इसके अलावा भारत कई योजनाओं में एक साथ काम कर रहा है, जैसे चुनाव में संशोधन,श्रम कानूनों में सुधार, पंचायती राज में संशोधन, आर्थिक सशक्तिकरण तथा कार्यपालिका न्यायपालिका तथा विधायिका में सामंजस्य बनाने का प्रयास भी किया गया' भारत में हर वर्ष बाढ़, सूखा तथा भूकंप के झटके भी महसूस किए जाते रहे और इस पर प्रभावी नियंत्रण लाने का प्रयास भी किया गया है। इसके लिए भी अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। कुल मिलाकर नवीन भारत की संकल्पना के साथ भारत में तमाम पहलुओं पर विचार करते हुए अपनी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जाना चाहिए, तब जाकर भारत एक नवीन भारत की कल्पना को साकार रूप दे सकता है एवं विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकता है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वाह रे गुरुर!!!

गुरुर में रहोगे तो रास्ते भी ना देख पाओगे - मंजिल पाना तो बहुत दूर की बात है!! लक्ष्यों की सफलता में गुरुर सबसे बड़ा बाधक!! नम्रता, सहयोग, इमानदारी लक्षित मंजिलों तक पहुंचाने की चाबी - एड किशन भावनानी

गोंदिया - कुदरत ने इस खूबसूरत सृष्टि में मानव काया की अनमोल रचना कर उसे कुशाग्र बुद्धि क्षमता के रूप में अनमोल अस्त्र सौंपा है! तो गुरूर, अभिमान, अहंकार, अकड़, अहंवाद, गुमान, नखरो जैसी अनेक विशुद्धयां भी डाली है, ताकि मानवीय जीवन यात्रा में अच्छे काबिल और उचित लोग उस उचित स्थान याने मंजिल तक पहुंच सके और सारी मानवता का कल्याण कर अच्छाई से अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर वापस वैकुंठ धाम में प्रवास करें'

साथियों हमने अपने बड़े बुजुर्गों से सुने हैं कि जिस मानव के पास लक्ष्मी मां प्रवास करती है तो उसे पद, प्रतिष्ठा देकर उसकी परीक्षा लेती है, जिसमें विकारों से लेकर उपरोक्त विशुद्धियां और नम्रता, सहयोग, इमानदारी जैसी शुद्धियों का घेरा डालती है!! फिर मानव का कार्य है कि अपनी बुद्धि के बल पर विशुद्धियों और शुद्धियों का चुनाव करें स्वाभाविक ही है, कुशाग्र बुद्धि का व्यक्ति शुद्धियों को और बाकी लोग विशुद्धियों को चुनेंगे जिसके कारण लक्ष्मी मां वहां से प्रस्थान कर ती है यह महत्वपूर्ण बात संपूर्ण मानव जाति के लिए रेखांकित करने योग्य बात है। इन उपरोक्त पैरा में बताए गए शब्दों को हम गुरूर में परिभाषित कर सकते हैं, यही लक्ष्यों की सफलताओं में सबसे बड़ा बाधक है इसलिए हर व्यक्ति को चाहिए कि नम्रता, सहयोग, ईमानदारी सहित सभी शुद्धि सूचक शब्दों को अपनाकर लक्षित मंजिलों तक पहुंचकर अपना खुद का, समाज, जिला, राज्य और राष्ट्रीय का भला कर सकते हैं

साथियों बात अगर हम अपने दैनिक दिनचर्या की करें तो हमारा शासकीय, अशासकीय, निजी क्षेत्रों में अनेक ऐसे पदों पर बैठे अधिकारियों, व्यक्तियों, कर्मचारियों से पाला पड़ा होगा और हम सोचने पर मजबूर हो गए होंगे? कि पद के लिए कितना गुरूर है इन्हें!! जब यह पद चला जाएगा या रिटायर्ड हो जाएंगे तो इनका क्या होगा!! और हमने अपनी आंखों से ऐसे व्यक्तियों की बुरी हालत होते देखी है!!उनका परिवार अशांत रहता है, आंतरिक सुख उन्हें कभी नहीं मिलता क्योंकि उन्होंने जीवन भर अपने गुरूर और भ्रष्टाचार को अपना रखा था तो उनका जीवन कभी सुखी नहीं होगा वह अपने जीवन के लक्ष्य तक कभी पहुंच नहीं पाएंगे!!

साथियों बात अगर हम गुरूर रूपी विशुद्धि से हानियों की करें तो, गुरुर जीवन का सबसे बड़ा संकट है, ये जिस पर छा जाता है, उसके जीवन को बर्बाद कर देता है। गुरुर को हम गर्व भी मानते है, इतिहास गंवा है,जो व्यक्ति गुरुर से अलंकृत हुए है, उनका नाश शीघ्र ही हुआ है!!जिसमे हम सबसे प्रमुख राजा रावण को ले सकते है। गुरुर से बुद्धि का नाश होता है। गुरुर एक लत है और यह लत जिसको लगती है उसका जीवन बबार्दी की ओर अग्रसर होता है अपने जीवन में गुणों को प्रवेश नहीं देता है और खुद को बड़ा समझ कर दूसरों को नीचा समझता है इसी बीच वह अपने ज्ञान मे बढ़ोतरी नहीं कर पाता है।

साथियों बात अगर हम गुरुर के चक्रव्यूह में फंसे इंसान की करें तो, गुरुर के चक्रव्यूह से ग्रसित इंसान कभी किसी के अनुसरण को स्वीकार नहीं कर पाता। अंततः एक ही परिणति को प्राप्त होता है, वह है सर्वनाश। जब व्यक्ति गुरुर के चक्रव्यूह में फंसा होता है तो नम्रता, बुद्धि, विवेक चातुर्य सभी गुण उससे दूर हो जाते हैं। उस व्यक्ति की नजर में हमेशा सभी लोग निम्न स्तर के ही होते हैं। सदैव दूसरों की राह में बाधा उत्पन्न कर प्रसन्नता अनुभव करते हैं। औरों को गिराकर अपनी राह बनाने की चेष्टा करते रहते हैं। वे लोग अपने दंभ में इतनी वृद्धि कर लेते हैं कि कल्पना भी नहीं कर पाते कि एक दिन उनका पतन भी अवश्यंभावी है।

साथियों गुरुर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है, क्योंकि गुरुर मनुष्य का सर्वनाश करके छोड़ता है। वह मनुष्य के विवेक को हर लेता है। उसकी बुद्धि को भ्रष्ट कर देता है। गुरुर अर्थात अहंकार से ग्रस्त व्यक्ति अपने सामने किसी को कुछ नहीं समझता और वो खुद को ही सर्वे-सर्वा और सर्वश्रेष्ठ समझता है। गरुर मनुष्य को गर्त में ले जाता है। गरूर की रुचि दिखाने में होती है। प्रतिभा का प्रदर्शन भी होना चाहिए, परंतु यदि प्रतिभा में जुगनू-सी चमक हो तो गरूर पैदा होगा और यदि सूर्य-सा प्रकाश हो तो प्रतिभा का निरहंकारी स्वरूप सामने आएगा।

साथियों बात अगर हम गुरूर से बचने की कवायत की करें तो, बुद्धि के क्षेत्र में तर्क है, हृदय के स्थल में प्रेम और करुणा है। अहंकार यहीं से गलना शुरू होता है। अपनी प्रतिभा के बल पर आप कितने ही लोकप्रिय और मान्य क्यों न हो, पर गरुर के रहते अशांत जरूर रहेंगे। अहं छोड़ने का एक आसान तरीका है मुस्कराना। गरूर का त्याग करके मनुष्य ऊँचाई को प्राप्त कर सकता है। अतः मुस्कराइए, सबको खुशी पहुँचाइए और गुरुर को भूल जाइए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वाह रे गुरुर!!! गुरुर में रहोगे तो रास्ते भी ना देख पाओगे, मंजिल पाना तो बहुत दूर की बात है!!! लक्ष्यों की सफलता में गुरुर सबसे बड़ा बाधक!! नम्रता, सहयोग, ईमानदारी लक्षित मंजिलों तक पहुंचाने की चाबी है

शतरंजी चालों से राजनैतिक दलों ने बिगाडा है देश का माहौल

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

देश में दलगत राजनीति ने हमेशा से ही फूट डालो, राज करो की नीति अपनाई। दूरगामी योजनायें बनाकर शतरंज की चालें चलीं। जातिगत, आस्थागत और व्यवहारगत विभेदों को हमेशा ही हवा देकर टकराव की स्थितियां पैदा की। भारतीय जनता पार्टी के नेता लालकृष्ण आडवानी ने सितम्बर सन 1990 में सोमनाथ से रथ यात्रा निकालकर अयोध्या मुद्दे को आंधी बनाने की कोशिश की तब कांग्रेस ने सन 1991 के लोकसभा चुनाव के पहले वायदा किया कि यदि केन्द्र में कांग्रेस की सरकार आती है, तो वह संसद में ऐसा कानून पारित करेगी जिससे सभी वर्तमान धार्मिक स्थलों को उसके वर्तमान स्वरूप में संरक्षित किया जा सकेगा। निर्वाचन के बाद केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनी। देश में धार्मिक स्थलों को संरक्षण देने के नाम पर सन 1991 में प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम 1991 बनाया। इस अधिनियम के अनुसार 15 अगस्त 1947 से पहले मौजूद किसी भी धर्म के उपासना स्थल को किसी दूसरे धर्म के उपासना स्थल में बदला नहीं जा सकता अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो उसे जेल भी हो सकती है। यानी जो जहां है उसे स्वाधीनता के बाद भी उसी रूप में ही मानने की बाध्यता होगी। इस कानून की तीसरी धारा में स्पष्ट किया गया है कि अगर यह सिध्द भी होता है कि वर्तमान धार्मिक स्थल को इतिहास में किसी दूसरे धार्मिक स्थल को तोडकर बनाया गया था, तो भी उसके वर्तमान स्वरूप को बदला नहीं जा सकता। इसी कानून में यह भी

उल्लेखित किया गया है कि धर्म स्थल को किसी दूसरे धर्म के पवित्र धार्मिक स्थल को उसी धर्म के किसी दूसरे पंथ में भी नहीं बदला जा सकता। अधिनियम की धारा 4(2) में कहा गया कि पूजा स्थल की प्रकृति को परिवर्तित करने से संबंधित सभी मुकदमे, अपील या अन्य कार्यवाइयां, जो 15 अगस्त 1947 को लंबित थी, इस अधिनियम के लागू होने के बाद समाप्त हो जायेंगी और ऐसे मामलों पर कोई नई कार्यवाही नहीं की जा सकेगी। इसी कानून की आड में वाह्य आक्रान्ताओं की मनमानियों और तानाशाही को सही बनाते का काम किया जाने लगा। इसी मध्य अनेक मामलों का प्रत्यक्षीकरण हुआ। न्यायालयों ने अन्य कानूनी प्राविधानों के तहत स्वविवेक और जनभावनाओं के आधार पर अनेक मामलों की सुनवाई की। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे का काम न्यायालय के कडे रुख के कारण ही शुरू हो सका। पहले मुस्लिम समुदाय ने भीडबल के आधार पर न्यायालय के कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने की कोशिश की। बाद में ऊपर की अदालतों के दरवाजों पर कानून की मनमानी व्याख्याओं के सहारे दस्तक दी परन्तु अन्ततः न्यायालयीन आदेश के आगे झुकना ही पडा। सूत्रों की माने तो सर्वे के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में ढेर सारे खम्भेनुमा पत्थर, मूर्तियां, कलश मिले। गौरी श्रृंगार मंदिर की जैसी तस्वीर है वैसा ही मिला। दीवारों पर कमल और स्वास्तिक के निशान, खण्डित मूर्तियां, मगरमच्छ की प्रतिमा, जो लगभग 2 फुट की बताई जाती है, जिसे ढककर रखा गया था। इस प्रतिमा की सुन्दरता आज भी नयनाभिराम है। सर्वे के दौरान लगभग 3 ट्रक खम्भेनुमा पत्थरों की मौजूदगी, पत्थरों पर मूर्तियों की छवि और खण्डित प्रतिमायें चीख-चीखकर अपने स्वरूप का वर्णन स्वयं कर रहीं हैं। 30 साल पहले वाराणसी निवासी तथा वंदे मातरम् पत्रिका के संपादक राम प्रसाद सिंह ने 1991 से 1993 के मध्य इस स्थल की अनेक तस्वीरें ली थीं। श्री सिंह के अनुसार मस्जिद के एक-एक हिस्से की तस्वीरें उनके पास हैं जिनसे वहां के हालातों का मिलान किया जा सकता है। तस्वीरों में विशाल नन्दी बाबा, ज्ञानवापी कूप, उसके आसपास अनेक छोटे-छोटे मन्दिर, दीवारों पर सनातन धर्म से जुडे हुए प्रतीक चिन्ह, दीवारों के टूटे हिस्से के मध्य घण्टी के निशान तथा पीछे के हिस्से में स्थित चबूतरे पर श्रृंगार गौरी का प्राचीन मंदिर भी तस्वीरों में दिखाई देता है जहां कुछ फूल भी चढे हैं। इन तस्वीरों के आने के बाद से तो स्थिति लगभग साफ ही हो जाती है। शायद इन्हीं प्रमाणों को दबाने-छुपाने के लिए सर्वे का विरोध करने हेतु भीडबल का प्रयोग किया गया था, जिसे न्यायालयीन आदेश ने समाप्त कर दिया। आगामी 17 मई तक कोर्ट के समक्ष कमीशन को अपनी कार्यवाही की आख्या वीडियोग्राफी सहित प्रस्तुत करना है। देश में आस्था के नाम पर कभी स्थानों को मुद्दा बनाया जाता है तो कभी परम्पराओं का सहारा लेकर माहौल को तनावपूर्ण बनाने के प्रयास होते हैं। कभी निजता के लिए मनमाने आचरण की छूट मांगी जाती है कभी धार्मिक अनुबंधों की दुहाई दी जाती है। वास्तविकता तो यह है कि ऐसे सभी प्रयासों से भाईचारे की मिठास में न केवल कडुवाहट पैदा होती है बल्कि आपसी टकराव की स्थितियां भी निर्मित होतीं है। आपातकाल का दौर और तानाशाही का परचम आज भी उस दौर के लोगों को याद होगा। जब खबरनवीसों को अपने समाचारों को भेजने के पहले उस पर एक अधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना पडती थी। नसबंदी के शिकंजे में केवल और केवल एक ही समुदाय के लोगों को जकडने के शासकीय फरमान, आज की जनसंख्या विसंगतियों के लिए उत्तरदायी बन चुके हैं। वाह्य आक्रान्ताओं के अनुयायियों ने अपनी पैत्रिक संस्कृति को तिलांजलि देकर पूर्वजों पर की गई बरबरता को जायज ठहराना शुरू कर दिया है। अब तो हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि गंगा-जमुनी संस्कृति को भी तार-तार किया जाने लगा है। देश के अनेक स्थानों पर अभी भी पुरातन परम्पराओं का दिगदर्शन समुदाय विशेष के वैवाहिक कार्यक्रमों में देखने को मिलता है किन्तु कट्टरता की आंच से उन परम्पराओं को भी नस्तनाबूत किया जाने लगा है। शतरंजी चालों से राजनैतिक दलों ने बिगाडा है देश का माहौल। इस दिशा में अब आम आवाम को स्वयं सोचना पडेगा, सत्ता के गलियारे तक पहुंचने के लिए मृगमारीचिका दिखाने वालों को पहचानना होगा और उठाना होंगे सशक्त कदम, जिससे स्थापित हो सके भाईचारे का वातावरण और खुशहाल राष्ट्र में बह सके अपनत्व की बयार। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

शेयर समीक्षा : कंपनियों के नतीजों व एलआईसी के आईपीओ पर रहेगी नजर

वैश्विक रुख पर निर्भर शेयर बाजार की चाल

मुंबई। आने वाले सप्ताह में शेयर बाजार की चाल काफी हद तक वैश्विक रुख पर निर्भर करेगी। साथ ही एलआईसी के आईपीओ, थोक महंगाई के आंकड़े व कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। विशेषज्ञों ने कहा, घरेलू शेयर बाजार में यह लगातार पांचवें सप्ताह गिरावट रही है। दुनिया भर में आसमान छूती महंगाई और मौद्रिक सख्ती शेयर बाजारों के लिए प्रमुख चिंताएं हैं। हालांकि अमेरिकी बाजार में पिछले दो कारोबारी सत्रों में कुछ स्थिरता आई है, जो निवेशकों को राहत प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह के लिए कोई प्रमुख संकेत नहीं हैं इसलिए शेयर बाजार के लिए वैश्विक रुख महत्वपूर्ण होगा। हालांकि घरेलू मोर्चे पर भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी आईपीओ की लिस्टिंग 17 मई को होगी, जो घरेलू शेयर बाजार के लिए प्रमुख कारक होगी। विदेशी संस्थागत निवेशक एफआईआई लगातार बिक्री कर रहे हैं जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक डीआईआई अपनी बिक्री की भरपाई करने की कोशिश कर रहे हैं इसलिए उनका व्यवहार भी बाजार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही डॉलर इंडेक्स की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और रुपए की दिशा अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की

निगाह अप्रैल के थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी रहेगी, जो मंगलवार को आने हैं। तिमाही नतीजों की वजह से कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इस सप्ताह भारती एयरटेल, डीएलएफ, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, आईटीसी, आईडीएफसी, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी के तिमाही नतीजे आने हैं। बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 2041.96 प्रतिशत की बड़ी गिरावट लेकर 52793.62 अंक और निफ्टी 629.1 अंक टूटकर 15782.15 अंक पर आ गया।

एफपीआई ने मई में 25200 करोड़ रुपए निकाले

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एफपीआई ने मई के पहले पखवाड़े में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 25200 करोड़ रुपये की निकासी की है। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी और कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच विदेशी निवेशक लगातार भारतीय शेयरों से अपना निवेश निकाल रहे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अप्रैल, 2022 तक लगातार सात माह बिकवाल रहे और उन्होंने भारतीय शेयरों से 1.65 लाख करोड़ रुपए निकाले। इस समय भारतीय शेयरों में एफपीआई की हिस्सेदारी घटकर 19.5 प्रतिशत पर आ गई है, जो मार्च 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। शेयरों के अलावा इस अवधि में एफपीआई ने ऋण या बांड बाजार से भी 4342 करोड़ रुपए निकाले हैं।

आठ शीर्ष कंपनियों को 2.48 लाख करोड़ रुपए का नुकसान, रिलायंस को सबसे अधिक नुकसान

सेंसेक्स की टॉप 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.48 लाख करोड़ रुपए घट गया। इस दौरान सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को उठाना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 130627.7 करोड़ रुपए घटकर 1642568.98 करोड़ रुपए रह गया। एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में 35073.72 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 397189.84 करोड़ रुपए पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 29279.72 करोड़ रुपए गिरकर 470856.80 करोड़ रुपए पर और इन्फोसिस का 16869.36 करोड़ रुपए के नुकसान से 632432.92 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 14427.28 करोड़ रुपए घटकर 716641.13 करोड़ रुपए पर और भारती एयरटेल की 11533.26 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 378620.36 करोड़ रुपए पर आ गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 7153.45 करोड़ रुपए घटकर 1248998.89 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी का 3408.48 करोड़ रुपए के नुकसान से 386636.58 करोड़ रुपए पर आ गया। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 10514.42 करोड़ रुपए बढ़कर 515582.56 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन 1231.33 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 353200.33 करोड़ रुपए रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

छोटे किराना व नॉन-फूड ब्रांड्स खरीदेगी रिलायंस

कंज्यूमर गुड्स के कारोबार में सबसे बड़ा खिलाड़ी बनने की तैयारी में मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी छोटे किराना व नॉन-फूड ब्रांड्स खरीदने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज कितना निवेश करेगी अभी यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन मुकेश अंबानी की मंशा कंज्यूमर गुड्स के कारोबार में देश का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनने की है। सूत्रों ने कहा है कि रिलायंस ने पांच साल के भीतर कारोबार से 500 अरब रुपए यानी 6.5 अरब डॉलर की सालाना बिक्री हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इस अधिग्रहण के बाद रिलायंस अलग-अलग ब्रांड्स का एक हाउस बन जाएगा। नई कारोबार योजना के साथ रिलायंस दुनिया के कुछ सबसे बड़े कंज्यूमर ग्रुप जैसे नेस्ले, यूनिलीवर, पेप्सिको इंक और कोका-कोला को चुनौती देना चाहता है। बता दें कि ये कंपनियां भारत में दशकों से काम कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस अगले 6 महीने के भीतर 50 से 60 किराना, घरेलू और पर्सनल केयर ब्रांड्स का एक बड़ा पोर्टफोलियो बनाने की योजना बना रही है। साथ ही इसे देश के सबसे बड़े रिटेल आउटलेट बनाने के मकसद से काफी संख्या में डिलिवरी पार्टनल की हायरिंग शुरू कर दी गई है। हालांकि, रिलायंस ने इस मामले पर फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है।

30 बड़े ब्रांड्स से बातचीत अंतिम चरण में

रिलायंस लगभग 30 बड़े और मशहूर लोकर कंज्यूमर ब्रांड्स के साथ बातचीत के अंतिम चरण में है। कंपनी इस डील को जल्द से जल्द फाइनल करना चाह रही है। जानकारी के मुताबिक, रिलायंस इन ब्रांड्स का या तो पूरा टेकओवर करेगी या फिर ज्वाइंट वेंचर पार्टनरशिप के तहत करेगी।

शिपिंग कॉरपोरेशन को जोरदार मुनाफा

नई दिल्ली। सरकारी कपंनी शिपिंग कॉरपोरेशन का जल्द ही निजीकरण होने जा रहा है। सरकार इसमें अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच रही है। बिक्री से पहले जहाजरानी कंपनी शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया ने तगड़ा मुनाफा अर्जित किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवंबर 2020 में एससीआई के रणनीतिक विनिवेश को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। चालू वित्त वर्ष में एससीआई का निजीकरण पूरा होने की संभावना है। मार्च 2022 तिमाही में शिपिंग कॉरपोरेशन का शुद्ध लाभ 77.42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 152.16 करोड़ रुपए रहा। एक वर्ष पहले मार्च 2021 की तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 85.76 करोड़ रुपए रहा था। वर्ष 2021-22 के समूचे वित्त वर्ष में एससीआई ने 865.22 करोड़ रुपए का समेकित लाभ दर्ज किया।

बैंक बोर्ड ब्यूरो के पुनर्गठन को मंजूरी जल्द

दो साल का विस्तारित कार्यकाल पिछले महीने समाप्त

नई दिल्ली। बैंक बोर्ड ब्यूरो के पुनर्गठन को जल्द मंजूरी मिल सकती है। सरकार बैंक बोर्ड ब्यूरो बीबीबी के पुनर्गठन को अंतिम रूप देगी। इसका दो साल का विस्तारित कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के शीर्ष प्रबंधन स्तर के पदों पर नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों की खोज करने वाले बैंक बोर्ड ब्यूरो का कार्यकाल 10 अप्रैल को समाप्त हुआ है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति एसीसी जल्द ही बीबीबी के पुनर्गठन पर फैसला करेगी। अप्रैल, 2018 से बीबीबी का नेतृत्व कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के पूर्व सचिव बीपी शर्मा कर रहे हैं। इसके अन्य अस्थायी सदस्यों में क्रेडिट सुइस की पूर्व प्रबंध निदेशक वेदिका भंडारकर, भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक पी प्रदीप कुमार और रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के संस्थापक प्रबंध निदेशक प्रदीप पी शाह हैं। सूत्रों ने कहा कि चेयरमैन और कुछ सदस्यों को बनाए रखना या पूरी तरह से नए बोर्ड का पुनर्गठन करना सरकार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में नियुक्तियां, बीबीबी के नए सदस्यों के कार्यभार संभालने के बाद होंगी।

राहत : इस्पात के दाम 10 से 15 फीसदी तक गिरे

कोयले की कमी से द्वितीयक श्रेणी के उत्पादकों पर संकट

कोलकाता। वैश्विक घटनाक्रम रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते इस्पात की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है, लेकिन अब इसके दामों में गिरावट आने लगी है। वहीं जिंसों के ऊंचे दाम की वजह से इस्पात क्षेत्र की कंपनियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कोलकाता के बाजार में लॉन्ग उत्पादों की कीमतें औसतन 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57000 रुपए प्रति टन पर आ गई हैं, जो पहले 65000 रुपए प्रति टन के उच्चस्तर पर थीं। अधिकारियों ने बताया कि द्वितीयक इस्पात उत्पादकों के लिए कोयला प्रमुख कच्चा माल है। उस समय कोयले के दाम उनके लिए सबसे बड़ी

परेशानी हैं। वहीं बड़ी कंपनियों के इस्पात के दाम उस समय 75000 से 76000 रुपए प्रति टन पर पहुंच गए थे। स्टील रोलिंग मिल्स एसोसिएशन के चेयरमैन विवेक अदुकिया ने बताया, टीएमटी छड़ और स्ट्रक्चरल जैसे इस्पात उत्पादों की सुस्त मांग के कारण इनकी कीमत 10 से 15 प्रतिशत घट गई है।

लागत में 50 फीसदी इजाफा

उन्होंने कहा, कच्चे माल की गुणवत्ता से समझौता करने के बावजूद हमारी लागत में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन डीआरआई का उपयोग करने वाले द्वितीयक क्षेत्र के इस्पात उत्पादकों को स्पॉन्ज आयरन बनाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले तापीय कोयले की जरूरत होती है। उन्होंने कहा आयातित कोयले की कीमत 120 डॉलर प्रति टन थी, जो रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने के बाद 300 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गई है। अदुकिया ने कहा कि इस्पात कंपनियां अब अपने अस्तित्व के लिए कोयले का आयात करने के लिए मजबूर हैं क्योंकि कोल इंडिया उनकी मांग पर ध्यान नहीं दे रही है।

पावरग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की सूचीबद्धता के एक साल पूरे

गुरुग्राम। महारत्न सीपीएसई पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड पावरग्रिड के भारत के पहले इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट पीजीइनविट ने 14 मई को बीएसई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलतापूर्वक अपनी सूचीबद्धता के एक साल पूरे किए। इस अवधि में पीजीइनविट यूनिट्स ने अपने यूनिटहोल्डर्स को 100 रुपए के ऑफर प्राइस पर बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 37 फीसदी का कैपिटल रिटर्न दिया है। यूनिटहोल्डर्स को कुल रिटर्न लगभग 45 फीसदी रहा है, जिसमें कुल वितरण शामिल है। लिस्टिंग के बाद से पीजीइनविट द्वारा 7.50 रुपए प्रति यूनिट भुगतान किया गया है। पीजीइनविट अप्रैल 2021 में अपना आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव लेकर आया था, जिसे निवेशकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी और कोरोना महामारी तथा अस्थिर बाजार परिस्थितियों के बावजूद निवेशकों का 4.83 गुना अभिदान मिला। सितंबर 2020 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन के अनुसार पावरग्रिड के माध्यम से पीजीइनविट ने अपने पांच एसपीवी का मुद्रीकरण किया जिसे उसने टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धा के तहत हासिल किया था। वित्त वर्ष 2022-25 के दौरान पावरग्रिड द्वारा लगभग 45200 करोड़ रुपए के मुद्रीकरण की परिकल्पना की गई है। पीजीइनविट सेबी के इनविट विनियमों के तहत स्थापित एक सार्वजनिक सूचीबद्ध इनविट है। पीजीइनविट का आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड ट्रस्टी है और पावरग्रिड इसका प्रायोजक और प्रोजेक्ट मैनेजर है। पावरग्रिड ऊंचाहार ट्रांसमिशन लिमिटेड, पावरग्रिड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

क्रिप्टोकरेंसी से अर्थव्यवस्था के डॉलरीकरण का जोखिम

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी से अर्थव्यवस्था के एक हिस्से का डॉलरीकरण हो सकता है। यह भारत के संप्रभु हितों के खिलाफ होगा।

यह बात भारतीय रिजर्व बैंक ने एक संसदीय समिति के समक्ष क्रिप्टो करेंसी को लेकर कहा है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास समेत शीर्ष अधिकारियों ने अपनी बात रखी। उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर अपनी आशंकाओं को उनके सामने रखा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे वित्तीय प्रणाली की स्थिरता को लेकर चुनौतियां खड़ी होंगी। आरबीआई के अधिकारियों ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी का बैंकिंग प्रणाली पर भी नकारात्मक असर होगा क्योंकि आकर्षक परिसंपत्तियां होने के कारण हो सकता है कि लोग अपनी मेहनत की कमाई इनमें लगाएं जिसके परिणामस्वरूप बैंकों के पास देने के लिए संसाधनों की कमी हो। रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने आगाह किया कि आतंक के वित्तपोषण, धनशोधन और मादक पदार्थों की तस्करी में भी क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सीमेंट कंपनी अंबुजा व एसीसी खरीदेंगे अडानी

81 हजार करोड़ रुपए में सौदा

मुंबई। अडानी ग्रुप के मुखिया और एशिया के सबसे अमीर गौतम अडानी अब सीमेंट के क्षेत्र में अपना सिक्का जमाना चाहते हैं। इसके लिए अडानी ने सीमेंट कंपनी अंबुजा और एसीसी को खरीदेंगे। अडाणी ग्रुप ने यह सौदा करीब 81 हजार करोड़ रुपए यानी 10.5 अरब डॉलर में किया है। यह भारत के इंफ्रा और मटेरियल्स स्पेस में सबसे बड़ा अधिग्रहण है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी पिछले हफ्ते इस डील के संबंध में अबुधाबी और लंदन गए थे। एसीसी यानी एसोसिएटेड सीमेंट कंपनीज और अंबुजा पर मालिकाना हक होलसिम कंपनी का है। यह स्विट्जरलैंड की बिल्डिंग मटेरियल कंपनी है। एसीसी की शुरुआत एक अगस्त 1936 को मुंबई से की गई थी। उस समय कई ग्रुप्स ने मिलकर इसकी नींव रखी थी। अंबुजा सीमेंट की स्थापना 1983 में नरोत्तम सेखसरिया और सुरेश नियोतिया ने की थी। इस टेकओवर की जानकारी देते हुए गौतम अडानी ने ट्वीट कर कहा, भारत की कहानी में हमारा विश्वास अडिग है। भारत में होलसिम की सीमेंट कंपनियों को हमारी ग्रीन एनर्जी और लॉजिस्टिक्स के साथ मिलाने से ये हमें दुनिया की सबसे ग्रीनेस्ट सीमेंट कंपनी बना देगी।

भारत में कारोबार बंद कर सकती है होलसिम

होलसिम कंपनी ने भारत में 17 साल पहले कारोबार शुरू किया था। यह दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी मानी जाती है। इस डील के बाद कंपनी भारत में अपना बिजनेस बंद कर सकती है। होलसिम ग्रुप की देश में दो सीमेंट कंपनियों अंबुजा सीमेंट और एसीसी लिमिटेड में हिस्सेदारी है। 73128 करोड़ रुपए वैल्यू वाली अंबुजा सीमेंट में होल्डरइंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के जरिए होलसिम की 63.19 फीसदी और एसीसी में 54.53 फीसदी की हिस्सेदारी है। अंबुजा सीमेंट की स्थापना 1983 में नरोत्तम सेखसरिया और सुरेश नियोतिया ने की थी। इन दोनों ट्रेडर्स को सीमेंट या मैन्युफैक्चरिंग का बहुत कम नॉलेज था।

महंगाई से निपटने पैकेट का वजन घटा रहीं कंपनियां

नई दिल्ली। रोजमर्रा के इस्तेमाल का उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां एफएमसीजी जिंस कीमतों में बढ़ोतरी और मुद्रास्फीति की चुनौती से निपटने के लिए अपने उत्पादों के पैकेट का वजन घटा रही हैं। इसके अलावा कंपनियों ने ब्रिज पैक भी उतारे हैं। ब्रिज पैक किसी उत्पाद श्रृंखला में अधिकतम और सबसे कम मूल्य के बीच की श्रेणी होता है। वजन घटाने की वजह से इन कंपनियों को पैकेटबंद उत्पादों के दाम नहीं बढ़ाने पड़े हैं। इस तरह का कदम कंपनियां मुख्य रूप से कम आय वर्ग के उपभोक्ताओं को लक्ष्य कर उठा रही हैं। इसके अलावा इन कंपनियों ने किसी उत्पाद के बड़े पैकेट के दाम में बढ़ोतरी की है। हालांकि, यह वृद्धि भी 10 प्रतिशत से कम की है। आगामी तिमाहियों में मुद्रास्फीति के कम होने के कोई आसार नहीं आ रहे हैं। ऐसे में कई कंपनियों ने दाम बढ़ाने के बजाय उत्पादों के वजन में कटौती की है। पार्ले प्रोडक्ट्स में वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा कि उपभोक्ता का रूझान वैल्यू पैक की ओर बढ़ गया है और एलयूपी पैक की बिक्री कुछ बढ़ गई है। उपभोक्ता पैसा बचाने के लिए छोटे पैक खरीद रहे हैं और यह सभी एफएमसीजी श्रेणियों में हो रहा है।

कंपनियों ने पेश किए ब्रिज पैक

बैंकों के धोखाधड़ी में फंसे धन में गिरावट

51 प्रतिशत घटकर 40295 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि मार्च, 2022 में समाप्त हुए वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का धोखाधड़ी में फंसा धन 51 प्रतिशत घटकर 40295.25 करोड़ रुपए रह गया है।

सूचना के अधिकार के तहत दी गई जानकारी में आरबीआई ने कहा कि 2020-21 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों का 81921.54 करोड़ रुपया धोखाधड़ी में फंसा था। मध्य प्रदेश के आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ के आरटीआई आवेदन के जवाब में केंद्रीय बैंक ने कहा कि इन बैंकों में 2021-22 में धोखाधड़ी के 7940 मामले सामने आए, 2020-21 में यह संख्या 9933 थी। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 के दौरान इन बैंकों में सामने आए धोखाधड़ी के मामलों में सर्वाधिक 9528.95 करोड़ रुपए पंजाब नेशनल बैंक के फंसे हैं। बैंक में इस तरह के 431 मामले सामने आए हैं। इनके अलावा, इंडियन बैंक के 211 मामलों में 2038.28 करोड़ रुपए, इंडियन ओवरसीज बैंक के 312 मामलों में 1733.80 करोड़ रुपए, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 72 मामलों में 1139.36 करोड़ रुपए, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के धोखाधड़ी के मामलों में 773.37 करोड़ रुपए, यूको बैंक के 114 मामलों में 611.54 करोड़ रुपए और पंजाब एंड सिंध बैंक के धोखाधड़ी के 159 मामलों में 455.04 करोड़ रुपए फंसे हैं।

एसबीआई में 4192 मामले आए

भारतीय स्टेट बैंक में धोखाधड़ी के 4192 मामले आए जिनमें बैंक के 6932.37 करोड़ रुपए फंसे है। इसका मतलब है कि बैंक में धोखाधड़ी के ऐसे मामले ज्यादा हैं जिनमें गबन छोटी रकम का किया गया है। बैंक ऑफइंडिया के धोखाधड़ी के मामलों में 5923.99 करोड़ रुपए फंसे हैं 209 मामले, बैंक ऑफ बड़ौदा के 3989.36 करोड़ रुपए 280 मामले, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 3939 करोड़ रुपए 627 मामले जबकि केनरा बैंक के 3230.18 करोड़ रुपए महज 90 मामलों में फंसे हैं।

गोल्ड बांड के समय-पूर्व विमोचन की दर तय

मुंबई। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के समय-पूर्व विमोचन के लिए दर 5115 रुपए प्रति इकाई तय की गई है। रिजर्व बैंक ने एक बयान में यह जानकारी दी।

आरबीआई के निर्देशों के अनुसार जारी होने की तारीख से पांच वर्ष बाद गोल्ड बॉन्ड के समय से पहले विमोचन की अनुमति होती है। 17 नवंबर 2016 को जारी एसजीबी 2016-17 की तीसरी श्रृंखला की देय तिथि 17 मई, 2022 है। आरबीआई ने कहा, 17 मई, 2022 से पहले एसजीबी विमोचन के लिए प्रति इकाई 5115 रुपए का मोचन मूल्य होगा। यह मूल्य नौ से 13 मई के बीच सोने के बंद भाव के औसत के आधार पर है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड दरअसल सरकारी प्रतिभूतियां हैं और यह भौतिक सोना रखने का एक विकल्प हैं। बॉन्ड भारत सरकार की ओर से रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है। एसजीबी से अर्जित ब्याज पर अन्य स्रोतों से आय के रूप में कर लगेगा जबकि बांड पर टीडीएस लागू नहीं होता।

आरबीआई ने 5115 रुपए प्रति इकाई तय की

बिनौला खल बाजार में मिलावटी माल की शिकायत

निर्माण लागत तेजी से बढ़ी

इंडोनेशिया से पाम तेल के निर्यात पर रोक और रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक संकट की वजह से निर्माण लागत बहुत तेजी से बढ़ी है। इन्हीं से निपटने के लिए एफएमसीजी विनिर्माता सस्ती पैकेजिंग, रिसाइकल किए उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं और विज्ञापन तथा विपणन पर खर्च में कटौती कर रहे हैं। जिंसों की बढ़ती कीमतें और आसमान छूती महंगाई के कारण उपभोक्ता कम खर्च करना चाह रहे हैं और बजट न गड़बड़ाये इसलिए लो यूनिट प्राइज पैक खरीद रहे हैं। शहरी बाजारों में प्रति व्यक्ति आय और उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता अधिक होती है, इसलिए हमने बड़े पैक की कीमतें बढ़ा दी हैं। ग्रामीण बाजारों में एलयूपी पैक बिकते हैं, उनके लिए उत्पाद का वजन कम किया गया है।

मिल कर कार्रवाई करेगा उद्यमी संघ

नई दिल्ली। खाद्य तेल-मिल उद्यमियों के एक संघ ने पश्चिमोत्तर भारत के बाजारों में नकली बिनौला खल के कारोबार की शिकायत की है और कहा है कि से इससे क्षेत्र के उद्यमी परेशान हैं। उनका कहना है कि नकली बिनौला खल से पशुओं के स्वास्थ्य पर भी खतरा है।तेल एवं खल उद्योग के मुताबिक नकली बिनौला खल का करोबार 3000 रुपए प्रति क्विंटल पर किया जा रहा है जबकि असली खल की लागत 3600 से 3800 रुपए प्रति क्विंटल तक पड़ती है। कैथल ऑयल मिल्स एसोसिएशन की बीते दिनों एक बैठक में नकली खल कारोबार को रोकने के लिए सभी तेल मिल मालिकों ने इसे रोकने का संकल्प लिया। एसोसिएशन ने पत्र जारी करके कहा है कि पिछले कुछ सालों से यह नकली कारोबार लगाता चल रहा है।

दुग्ध किसान प्रभावित

नकली खल की वजह से दुग्ध किसान प्रभावित हो रहा है। कपास किसान भी इससे प्रभावित हैं। संघ ने आठ सदस्यों की समिति बनाकर नकली बिनौला खल बनाने वाली मिलों की जांच और उनपर जुर्माना लगाने का अधिकार दिया है। संघ के प्रधान शिव नारायण गोयल ने पत्र में कहा है कि किसी भी तेल खल मिल में आपात्तिजनक सामग्री पाये जाने पर मामला दर्ज किया जाएगा और मिल पर सामाजिक एवं व्यापारिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। उनका कहना है कि गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा और पंजाब सहित पश्चिमोत्तर राज्यों में यह समस्या ज्यादा है।

मारुति इस साल 5000 करोड़ रुपए निवेश करेगी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया चालू वित्त वर्ष में करीब 5000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी यह राशि मुख्य रूप से नए उत्पाद पेश करने और अन्य पहल पर खर्च करेगी। कंपनी ने 2021-22 में करीब 4500 करोड़ रुपए का निवेश किया था। मारुति का मानना है कि इसकी मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्प के गुजरात में निवेश से उसे देश में अपने बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों की श्रृंखला का विस्तार करने में मदद मिलेगी। मारुति के सीएफओ अजय सेठ ने विश्लेषक कॉल में कहा कि चालू वित्त वर्ष में हमने विभिन्न परियोजनाओं पर 5000 करोड़ रुपए खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई है। हम कुछ नए मॉडल उतारने की भी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी इस निवेश का प्रबंधन अपने आंतरिक संसाधनों से करेगी। मारुति की गुजरात में स्थानीय स्तर पर बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों और इनकी बैटरियों के विनिर्माण पर निवेश करने की योजना के बारे में पूछे जाने पर सेठ ने कहा, इस निवेश से इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण का स्थानीयकरण करने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे देश में कंपनी के बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार भी हो सकेगा। कंपनी की योजना अपना पहला बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन 2025 में लाने की है।

मुख्यमंत्री शिवराज ने सुबह सात बजे आला अधिकारियों के साथ की बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सुबह सात बजे विभिन्न विभागों सहित समस्त जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण बैठक ली। आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रदेश के सभी 52 जिला प्रशासन, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगरीय विकास विभाग के अधिकारी, पीएचई विभाग के अधिकारी, ग्रामीण विभाग और ऊर्जा विभाग के अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में कानून व्यवस्था से चर्चा प्रारंभ की। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुना की घटना को लेकर उन्होंने कहा कि अपराधियों को नेस्तनाबूद किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शिकार करने वालों, अवैध शराब का कारोबार करने वालों को पकड़ा जाए।

श्री चौहान ने कहा कि गुना की घटना से वे बेचैन हैं। किसी भी अपराधी को नहीं छोड़ा जाएगा। अपराध नियंत्रण की शीघ्र ही पुनः समीक्षा की जाएगी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि भोपाल से लेकर चौपाल तक पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त की जाए। उन्होंने मिशन नगरोदय कार्यक्रम के आरंभ के दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना अंतर्गत हितग्राहियों को 18 मई को विभिन्न हितलाभ दिए जायेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री रीवा में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन और मंशानुरूप प्राकृतिक खेती और फसलों के विविधीकरण को लेकर चर्चा की जाएगी।

पंचायतों के काम को लेकर उन्होंने जिला पंचायतों के सीईओ को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर, आजीविका मिशन की गतिविधियां, मनरेगा के काम, ग्रामीण आवास सहित जल संरचनाओं के निर्माण और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का विशेष रूप से ध्यान रखे। बैठक में बिजली की पर्याप्त उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि 16 मई को संबल योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह राशि का वितरण 600 करोड़ रुपए किया जाएगा। 17 मई को प्रधानमंत्री आवास शहरी हितग्राहियों को गृह प्रवेश राशि 600 करोड़ और अन्य योजनाओं का प्रारंभ लगभग 12000 करोड़ का किया जाएगा। 18 मई को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना अंतर्गत 1650 करोड़ का हस्तांतरण किया जाएगा। 19 मई को मुख्यमंत्री नगरीय भू अधिकार योजना के अंतर्गत विभिन्न हितग्राहियों को लाभ और प्रमाण पत्रों का वितरण किया जाएगा। 20 मई को कायाकल्प अवार्ड का विभागीय कार्यक्रम रहेगा। 17 मई को मूंग दाल वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा।

पेशावर में दो सिखों की गोली मारकर हत्या

एसजीपीसी ने कहा- ये कायराना हरकत

पेशावर, (एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर में अज्ञात हमलावरों ने सिख समुदाय के दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। मारे गए लोगों की पहचान कुलजीत सिंह (42) और रंजीत सिंह (38) के रूप में हुई है। स्थानीय पुलिस ने कहा कि ये दोनों दुकानदार थे, जो सरबंद इलाके के बाटा ताल बाजार में मसाले बेचते थे। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाया जाता रहा है। इसमें हिंदू और सिख दोनों शामिल हैं।

हमलावर बाइक पर सवार होकर आए थे। गोली मारते ही दोनों फरार हो गए। इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर इस हमले के कई वीडियो वायरल हो रहे है। ये ऐसे वीडियो हैं जो किसी को भी विचलित कर सकते हैं। दुकान पर डेड बॉडी पड़ी है और चारों तरफ खून दिख रहे हैं।

किसी ने नहीं ली है जिम्मेदारी: खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने हमले की कड़ी निंदा की है और पुलिस को दोषियों की गिरफ्तारी के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया हैं। उन्होंने घटना को अंतर्धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश करार देते हुए कहा कि मृतकों के परिवारों को न्याय दिलाया जाएगा। पुलिस मौके पर पहुंची और अपराधियों को पकड़ने के लिए इलाके को घेर लिया। किसी ने भी तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

निशाने पर अल्पसंख्यक: पेशावर में पिछले आठ महीने में सिख समुदाय पर इस तरह का ये दूसरा हमला है। पिछले साल सितंबर में पेशावर में एक प्रसिद्ध सिख 'हकीम' की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पेशावर में 15,000 सिख रहते हैं। ज्यादातर प्रांतीय राजधानी के पड़ोस जोगन शाह में है। पेशावर में सिख समुदाय के अधिकतर सदस्य व्यवसाय से जुड़े हैं, जबकि कुछ फार्मेसियां भी चलाते हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इस हत्या की कड़ी निंदा की है। एसजीपीसी के अध्यक्ष अधिवक्ता एस. हरजिंदर सिंह ने कहा कि अल्पसंख्यकों की इस तरह हत्याएं पूरी दुनिया और खास कर सिखों के लिए बेहद चिंता का विषय है। हम पेशावर, खैबर पख्तूनख्वा, पाकिस्तान में दो सिखों की कायरतापूर्ण हत्याओं की कड़ी निंदा करते हैं।

भुट्टो ने की हत्या की निंदा

विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने पेशावर में सिख नागरिकों की हत्या की निंदा और चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि सिख नागरिकों की हत्याओं में शामिल आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि किसी को भी धार्मिक सद्भाव को बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सिरोही जिले में सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के सिरोही जिले के पालड़ी थाना क्षेत्र में आज सुबह सड़क हादसे में एक दो साल की बच्ची एवं चार महिलाओं सहित छह लोगों की मौत हो गई जबकि लगभग आधा दर्जन लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार यह हादसा सुबह करीब सवा आठ बजे उस समय हुआ जब क्षेत्र के उथमण टोल प्लाजा के पास ट्रक एवं ट्रोला टकरा गये। इस दौरान ट्रक के पीछे चल रही दो कारे भी ट्रक से टकरा गई। इससे एक कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

एक नजर

नाहयान को श्रद्धांजलि देने अबू धाबी पहुंचे उपराष्ट्रपति

अबू धाबी, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति एम वैंकैया नायडू संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन पर भारत की ओर से शोक व्यक्त करने रविवार को अबू धाबी पहुंचे। कई वर्षों तक बीमारी से जूझने के बाद शुक्रवार को शेख खलीफा का निधन हो गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने रविवार को उपराष्ट्रपति के आगमन की एक तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, कि उपराष्ट्रपति एम वैंकैया नायडू संयुक्त अरब अमीरात के दिवंगत राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान को श्रद्धांजलि देने अबू धाबी पहुंचे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उपराष्ट्रपति नायडू यूएई के राष्ट्रपति के निधन पर भारत सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त करने के लिए 15 मई को यूएई की यात्रा करेंगे।

उत्तर प्रदेश के 13 शहरों में बनेंगे 26 सिटी फारेस्ट

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने वाराणसी और गोरखपुर सहित 13 शहरों में 26 नगर वन क्षेत्र (सिटी फॉरेस्ट) विकसित करने की पहल की है। सरकार ने इस पहल को अगले छह महीने में अमलीजामा पहनाने का लक्ष्य भी तय किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य का हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए शुरू की गई इस पहल के दायरे में जिन 13 शहरों को चिन्हित किया गया है, उनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विधानसभा क्षेत्र गोरखपुर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के अलावा आगरा, फिरोजाबाद, झांसी, कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, हरदोई, हाथरस, इटावा, हरदोई, रायबरेली, मुरादाबाद और अमरोहा शामिल हैं। सरकार की इसके पीछे मंशा है कि इन वनों के विकसित होने पर पर्यटकों को नेचुरल पिकनिक स्पॉट का एक विकल्प मिलेगा।

रायबरेली जेल में बंद कैदी की अस्पताल में मौत

रायबरेली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिला कारागार में जानलेवा हमले के मामले में निरुद्ध कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई है। जेलर सत्य प्रकाश सिंह ने रविवार को बताया कि जानलेवा हमले और एससीएसटी मामले में निरुद्ध एक कैदी की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गयी है, वह तीन दिन से बीमार चल रहा था। गत तीन सालों से जिला कारागार में बंद कैदी पंकज दीक्षित (50) की जिला अस्पताल में मौत हो गई है। तीन दिन पहले उसको उल्टी दस्त की शिकायत होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उसकी शनिवार को मौत हो गई है। कैदी की मौत की सूचना पाकर अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव भी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने कैदी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

आज का इतिहास

- **1606** : रूस में दो हजार विदेशी नागरिकों की हत्या।
- **1875** : वेनेजुएला और कोलंबिया में आये भूकंप से लगभग 16 हजार लोगों की मौत।
- **1877** : फ्रांस में राजनीतिक संकट शुरू।
- **1881** : बर्लिन के पास लिस्टरफेलडर में बिजली से चलने वाली पहली ट्राम सेवा की शुरुआत।
- **1911** : कलकत्ता (अब कोलकाता) में बने तल्लाह वाटर टैंक का निर्माण पूरा। इसे उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ओवरहैड वाटर टैंक कहा गया था।
- **1920** : फ्रांसीसी स्वतंत्रता सेनानी, सेनापति जॉन ऑफ आर्क को संत की उपाधि दी गयी।
- **1929** : दुनिया भर में ऑस्कर पुरस्कारों के नाम से प्रतिष्ठित एकेडमी अवॉर्ड की शुरुआत।
- **1943** : वॉरसॉ में यहूदी बस्तियों में चल रही लड़ाई खत्म हो गई। पुलिस और कमांडो दल ने 19 अप्रैल को इन बस्तियों में प्रवेश किया था।

बुद्ध पूर्णिमा के पर्व पर पीपल की पूजा करने से मिलती है तनाव से मुक्ति : कौशिक

गौरव राय

कुरुक्षेत्र। षडदर्शन साधुसमाज के संगठन सचिव एवं श्री गोविंदानंद आश्रम पिहोवा के सह संरक्षक वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक ने बताया कि वैशाख पूर्णिमा बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर पीपल के वृक्ष के बारे में बताया जाता है कि इस दिन पीपल की पूजा करने से मानसिक तनाव से मुक्ति मिलनी सम्भव है। इस बार यह पर्व 16 मई सोमवार को वैशाख पूर्णिमा पर दुर्लभ योग के साथ जो कई वर्षों बाद आया है, मनाया जा रहा है और पूर्णिमा का व्रत 15 मई रविवार को रखा जाएगा। इस दिन खास तौर पर व प्रतिदिन पीपल का पूजन करने वाले व्यक्ति के कई दोष समाप्त हो जाते हैं और वह मानसिक तनाव से मुक्त हो जाता है और दिव्य ज्ञान चक्षु खुल जाते हैं। हमारे प्राचीन ग्रंथों में पीपल के पूजन का विशेष महत्व माना जाता है।

वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक ने बताया कि पीपल को जल अर्पित कर सरसों के तेल का दीपक जला कर कम से कम सात परिक्रमा करना भी विशेष फलदायी माना गया है। पीपल वृक्ष समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र माना गया है। पीपल वृक्ष के निचले भाग में ब्रह्मा जी का वास है, मध्य में विष्णु जी और सबसे ऊपर भगवान शिव का वास है और सभी पत्तों में सभी देवताओं का वास माना जाता है।

कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर श्रीमद्भगवद् गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मुख से कहा है कि वृक्षों में मैं पीपल हूं। बिहार राज्य में गया धाम स्थान पर महात्मा बुद्ध को भी पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर तपस्या करने पर ही ज्ञान प्राप्त हुआ था। वो अति प्राचीन पीपल का वृक्ष आज भी गया जी स्थान पर जो बिहार में गया धाम में मौजूद है। जिन व्यक्तियों का आत्मबल, मनोबल और जन्म कुण्डली में चंद्रमा कमजोर है, उनको इस दिन का लाभ उठाना चाहिए और गाय के दूध से भोलेनाथ का अभिषेक करना चाहिए तथा जिन व्यक्तियों की जन्म कुण्डली में बृहस्पति की स्थिति ठीक नहीं है या जिन व्यक्तियों के कारोबार मंदी के दौर से गुजर रहे हैं और आर्थिक संकट और कर्ज में डूबे हुए हैं, उन व्यक्तियों को शुद्ध गन्ने के रस से भोलेनाथ का अभिषेक करना चाहिए। अपने परिवार के सदस्यों के वजन के बराबर गऊशालाओं में गऊओं को हरी घास खिलाने का भी महत्त्व माना जाता है। पीपल का वृक्ष लगाने व आरोपण पालन करने वाले व्यक्ति को अक्षय पुण्य प्राप्त होता है और जातक की जन्मकुंडली के पितृ दोष भी समाप्त हो जाते हैं। वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक ने बताया कि अपने निवास के आस पास जो भी जीव जंतु पौधे है उनका उदर पूर्ति का ध्यान वृक्षों को जल अर्पित करने से सुख-सौभाग्य, संतान, पुत्र रत्न आदि की प्राप्ति होती है क्योंकि वो हमारी पिछली योनि के सखा है जो हमसे अपनी भोजन पानी की उमीद रखते है। कौशिक जी ने बताया की पीपल ही एकमात्र ऐसा वृक्ष है जो चौबीसों घंटे दिन-रात आक्सीजन देता है। बैसाख मास में वृक्षों को जल अर्पित करना और पशु-पक्षियों को जल पिलाना अत्यंत पुण्यदायक माना जाता है, जिससे जातक का आत्मबल और मनोबल शीघ्र ही मजबूत हो जाता है। जातक के अधूरे कार्य अति शीघ्र पूरे होने लगते हैं और मनुष्य मानसिक तनाव से मुक्त हो जाता है और आरोग्यता प्राप्त होती है।

जहां अपराध हुआ है उस राज्य की नीति के अनुसार हो दोषियों की समयपूर्व रिहाई पर फैसला

दोषी की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी दोषी की समयपूर्व रिहाई पर उस राज्य की नीतियों के अनुसार विचार किया जाना चाहिए, जहां अपराध हुआ है, न कि वहां जहां मुकदमा स्थानांतरित किया गया हो और पूरा किया गया हो। न्यायाधीश अजय रस्तोगी और विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 432(7) के अनुसार सजा में राहत के मुद्दे पर दो राज्य सरकारों का समवर्ती क्षेत्राधिकार नहीं हो सकता है।

अदालत एक दोषी की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें गुजरात सरकार को नौ जुलाई 1992 की नीति के तहत समय से पहले रिहाई के लिए उसके आवेदन पर विचार करने का निर्देश देने की मांग की गई है, जो उस समय मौजूद थी जब उसे दोषी ठहराया गया था। इस मामले में अपराध गुजरात में हुआ था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अजीबोगरीब तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए इसे 2004 में मुंबई स्थानांतरित कर दिया था। पीठ ने कहा कि गुजरात में अपराध होने और ट्रायल पूरा होने के बाद सजा में छूट या समयपूर्व रिहाई समेत आगे की सभी कार्यवाहियां उन नीति के तहत होनी चाहिए, जो गुजरात में लागू हैं। पीठ ने आगे कहा कि प्रतिवादियों को नौ जुलाई 1992 की नीति के अनुसार समयपूर्व रिहाई के लिए याचिकाकर्ता के आवेदन पर विचार करने का निर्देश दिया जाता है, जो दोषसिद्धि की तारीख पर लागू होती है और दो महीने की अवधि के भीतर तय की जा सकती है।

केरल के दो जिलों में रेड अलर्ट और छह जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

असम में जहां बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, तो वहीं केरल से अच्छे संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। यहां प्री मॉनसून बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने केरल के कई जिलों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है। दो जिलों में रेड अलर्ट और 6 में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बारिश की वजह से पोर्ट सिटी कोच्चि में कई जगहों पर पानी भर गया और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। वहीं सरकार ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि लोग पर्वतीय इलाकों में जाने से बचें। सरकार ने पुलिस और रेवेन्यू अथॉरिटी को भी अलर्ट पर रखा है। राज्य में रेवेन्यू मिनिस्टर के राजन ने कहा कि हम किसी भी आपातकाल परिस्थिति से निपटने के लिए अलर्ट पर हैं। उन्होंने कहा कि सभी डैम में अभी पानी की मात्रा जितनी होनी चाहिए उतनी ही है इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है।

डॉ. संजीव कुमारी द्वारा सांस्कृतिक विरासत फड़ पर लिखित पुस्तक श्री देवनारायण फड़ कथा इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज

- विष्णु अवतार भगवान देवनारायण के उपासकों में अपार खुशी।

गौरव राय

पानीपत। सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का प्रमुख ध्येय बना चुकी प्रसिद्ध लेखिका डॉ. संजीव कुमारी ने आध्यात्मिक क्षेत्र में सांस्कृतिक विरासत के रूप में स्थापित फड़ को लिपिबद्ध करने का साहसिक, सार्थक प्रयास किया है। विष्णु अवतार भगवान देवनारायण के अवतरण काल का चित्रित रूप "फड़" पर वर्णित उनकी पुस्तक "श्री देवनारायण फड़ कथा" को विशिष्टताओं के कारण इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्डस ने रिकॉर्ड के रूप में प्रतिअधिष्ठापित (दर्ज) किया है।

विदित हो कि देवनारायण की फड़ एक कपड़े पर बनाई गई भगवान विष्णु के अवतार देवनारायण की महागाथा है, जो मुख्यतः राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में गाई जाती है। राजस्थान में भोपे फड़ पर बने चित्रों को देखकर गीत गाते हैं। जिसे राजस्थानी भाषा में 'फड़ का बाचना' कहा जाता है। भारत के राज्यों में उनकी मान्यताओं को मानने वालों की अपार संख्या है। इस विशेष पुस्तक को प्रसिद्ध लेखिका डॉ. संजीव कुमारी ने फड़ वाचक गुज्जर सुखाराम भोपा के सहयोग से कठिन परिश्रम के बाद प्रथम बार लिपिबद्ध किया है। यह अपने आप में एक विशेष उपलब्धि है, अभी तक फड़ किसी पुस्तक के रूप में वर्णित नहीं थीं। उनके प्रथम प्रयास को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड ने रिकॉर्ड के रूप में दर्ज कर, उन्हें विशेष सम्मान देने का काम किया है। भगवान देवनारायण की मान्यताओं को सांस्कृतिक विरासत के रूप में सहेजने का बड़ा काम भी किया है। उन्होंने अस्तित्व से जूझती फड़ को संरक्षित करते हुए भगवान देवनारायण के उपासकों को एक अनमोल उपहार भेंट किया है। जिससे करोड़ो उपासकों में अपार प्रसन्नता की लहर है। इससे पूर्व भी डॉ. संजीव कुमारी की झड़ते पत्ते, विष्णु अवतार : श्री देवनारायण पुस्तकें इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान बना चुकी है। उनकी इस विशेष उपलब्धि से चहुं ओर हर्ष की लहर है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारतीय रुख की दुनिया ने की तारीफ

अमेरिका ने भी नहीं किया विरोध

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के संतुलित दृष्टिकोण की अमेरिका ने निंदा नहीं की है, बल्कि कई देशों ने भारत के मत का समर्थन किया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका का मत साफ था। फिर भी भारत ने इस मामले पर संतुलित दृष्टिकोण रखने का फैसला किया, जिसकी अमेरिका ने भी निंदा नहीं की। बल्कि कई देशों ने संतुलित दृष्टिकोण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की।

राजनाथ सिंह ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद में और विदेश मंत्री एस जयशंकर 2+2 वार्ता के लिए विदेश गए थे। दौरे के दौरान हम उम्मीद कर रहे थे कि भारत के संतुलित दृष्टिकोण को लेकर चर्चा होगी, लेकिन अमेरिका ने भारत के दृष्टिकोण की निंदा नहीं की। पूरी दुनिया ने भारत के दृष्टिकोण की तारीफ हुई, क्योंकि भारत के सभी देशों के साथ अच्छे संबंध है। इस दौरान डिजिटल इंडिया की तारीफ करते हुए सिंह ने बिहार के उस भिखारी का जिक्र किया जो क्यूआर कोड के साथ भीख मांग रहा था। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल कैंपेन का असर इतना व्यापक है कि बिहार में एक भिखारी क्यूआर कोड गले में लटकाकर भीख मांग रहा है।

औरंगाबाद में कार के नदी में गिरने से पांच बारातियों की मौत

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले के नवीनगर थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह नदी में कार के गिर जाने से पांच बारातियों की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गये। पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र ने यहां बताया कि आज तड़के तोल ग्राम पंचायत के बाघी गांव से एक बारात में शामिल होने के बाद कार पर सवार सात लोग झारखंड के पलामू जिले के छतरपुर लौट रहे थे। इस दौरान एक पुल के निकट कार अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। इस दुर्घटना में कार पर सवार पांच बारती की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गये। सभी मृतक एवं घायल पलामू जिले के छतरपुर के रहने वाले हैं और सभी की उम्र 18 से 20 वर्ष के बीच है। उन्होंने बताया कि घायलों को औरंगाबाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। श्री मिश्रा ने बताया कि मृतकों की पहचान सुनील कुमार के पुत्र रंजीत कुमार,चंद्रदीप राम के पुत्र अभय कुमार, संजय चंद्रवंशी के पुत्र बबलू कुमार, प्रदीप गुप्ता के पुत्र शुभम कुमार और उपेंद्र चंद्रवंशी के पुत्र अक्षय कुमार के रूप में की गई है। घायलों में गुंजन कुमार और मुकेश कुमार शामिल हैं।

सुरक्षा | अब पाक से ज्यादा चीन के बॉर्डर पर चुनौती

आर्मी ने शिफ्ट कर दिए 35 हजार सैनिक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय थल सेना के नए अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने हाल ही में वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर चीन को साफ संदेश दे दिया था कि गलत हरकत बर्दाश्त नहीं होगी। इसी कड़ी में भारतीय सेना ने लद्दाख सेक्टर से सेना के छह डिवीजन सैनिकों को वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास स्थानांतरित कर दिया है। हालांकि सैनिकों को स्थानांतिरत करने की प्रक्रिया दो साल से अधिक समय से चल रही है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि चीन बॉर्डर पर अब तक 35 हजार सैनिक शिफ्ट किए जा चुके हैं।

दरअसल, एक रिपोर्ट में सरकारी दो वर्षों में 35 हजार सैनिक चीन सीमा पर तैनात किए गए हैं। इनमें से कुछ सैनिक आतंकवाद विरोधी भूमिकाओं में सक्रिय थे। राष्ट्रीय राइफल्स से एक डिवीजन को भी जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद विरोधी भूमिकाओं से हटा दिया गया था और अब इन्हें पूर्वी लद्दाख सेक्टर में तैनात किया गया है। इसी तरह असम स्थित एक डिवीजन को उग्रवाद विरोधी भूमिका से हटा दिया गया है और अब इसका काम पूर्वोत्तर में चीन की सीमा की देखभाल करना है।

चीन ने किया यथास्थिति बदलने का प्रयास : यह सब तब हुआ है जब हाल के दिनों में चीन ने भारतीय चौकियों के खिलाफ बड़ी संख्या में सैनिकों को स्थानांतरित करके यथास्थिति को एकतरफा बदलने का प्रयास किया। हालांकि सैनिकों की तैनाती के बाद भी भारतीय सेना अपने बलों का पुनर्संतुलन और पुनर्गठन कर रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि पाकिस्तान सीमा से ज्यादा अब चीन सीमा पर चुनौती है और इसी किया गया है।

लद्दाख में लंबे समय से जारी है भारत-चीन के बीच तनाव

एक तथ्य यह भी है कि पूर्वी लद्दाख सेक्टर में तैनात सैनिकों को अत्यधिक ठंडे मौसम के चलते अतिरिक्त तैयारी दी जाती है। ये सैनिक पहले ही सियाचीन, पूर्वी लद्दाख या उत्तर-पूर्व में ऐसे मौसम में एक या दो बार तैनात रहे हैं और वे लंबे समय तक तैनाती के लिए मानसिक तौर पर तैयार है। लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन सैनिकों के बीच काफी समय से स्थिति तनावपूर्ण रही है। दोनों तरफ से वहां एक दूसरे के खिलाफ हजारों सैनिकों की तैनाती की गई है।

पिछले दो साल में सरहद पर अपनी तैनाती की मजबूत: फिलहाल हाल ही में भारतीय थल सेना के नए प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा था कि एलएसी पर गलत हरकत बर्दाश्त नहीं होगी। पद संभालते ही सेना प्रमुख ने चीन को दो टूक सुना दी थी। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा था कि हमें विश्वास है कि जैसे-जैसे हम दूसरे पक्ष से बात करना जारी रखेंगे, हम चल रहे मुद्दों का समाधान खोज लेंगे, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि एलएसी पर गलत हरकत बर्दाश्त नहीं होगी।

इन टिप्स की मदद से बरकरार रखें सब्जियों की पौष्टिकता

सब्जियों से हमारे शरीर को विटामिन, खनिज और दूसरे तत्व मिलते हैं, लेकिन जाने अनजाने हम सब्जियों की पौष्टिकता को नष्ट या कम कर देते हैं। सब्जियों को छीलने, काटने और पकाने का यदि सही ढंग न अपनाया जाए, तो उनकी पौष्टिकता कम हो सकती है, कई बार नष्ट भी हो जाती है। सही तरीका अपनाकर सब्जियों से अधिक से अधिक पोषण पाया जा सकता है। इनके बारे में विस्तृत जानकारी दे रही हैं सुशीला यादव....

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार जरूरी है। खाने की टेबल तक पहुंचने से पहले खाद्य पदार्थों को एक निश्चित प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिसमें होने वाली गलतियों के कारण खाने की पौष्टिकता कम हो जाती है। खासकर सब्जियों की पोषकता काफी घट जाती है। डायटीशियन डॉ. नीलांजना सिंह कहती हैं कि सब्जी पकाते, छीलते और काटते समय विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि हमें सब्जियों से अधिकतम पोषण मिल सके। खासकर सब्जियों को पकाते समय बहुत सावधानी रखनी चाहिए, क्योंकि इस दौरान सब्जियों की पूरी पौष्टिकता भी खत्म हो सकती है।

कच्ची सब्जी बेहतर

डॉ. सिंह कहती हैं कि कच्चे फल और सब्जी ज्यादा फायदेमंद होते हैं। सब्जियों को ज्यादा उबालने, देर तक पकाने, तलने-भुनने या सुखाने से इनमें मौजूद पौष्टिकता कम या नष्ट हो जाती है। सब्जियों को पकाने से सबसे ज्यादा असर इनमें मौजूद विटामिन सी और बी पर पड़ता है। इसलिए इन्हें कच्चा ही खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

सब्जी को धोना और भिगोना

सब्जियों को छीलने और काटने से पूर्व भली-भांति धो लेना चाहिए। उनके छिलके कम-से-कम उतारने चाहिए। सब्जियों को कुछ देर पानी में डुबो कर भी रख सकते हैं, क्योंकि इससे उन पर से हानिकारक कीटनाशकों का प्रभाव कम किया जा सकता है। कभी भी सब्जियों को काटकर न धोएं। काटकर धोने या भिगोने से सब्जियों के अधिकांश पोषक तत्व पानी में घुलकर बह जाते हैं। सलाद को भी काटकर धोने से विटामिन नष्ट हो जाते हैं। इसलिए सलाद धोकर रखें और खाने से तुरंत पहले काटें।

सब्जियां छीलें, मगर ध्यान से

सब्जियों और फलों को काटने और छीलते समय विशेष ध्यान देना चाहिए। जैसे आलू में विटामिन सी की अधिकांश मात्रा उसके छिलके के ठीक नीचे होती है। अगर हम आलू के मोटे छिलके उतारेंगे, तो विटामिन सी काफी कम हो जाएगा। इसी तरह गाजर के छिलकों में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, रिबोफ्लेविन और थियामिन पर्याप्त मात्रा में होते हैं। अच्छी तरह धो-पोंछकर और ऊपर के रेशों को उतारकर कच्ची गाजर खा सकते हैं। सब्जियों को काटें और तुरंत पका लें।

संभल कर उबालें

सब्जियों को अधिक उबालने से उनमें एस्कोर्बिक एसिड की मात्रा कम हो जाती है और कैल्शियम भी नष्ट हो जाता है। खुले बर्तन जैसे कढ़ाई, पतीले में सब्जी-दाल बनाने से ईंधन अधिक खर्च होता है और पौष्टिक तत्व भी नष्ट होते हैं। वहीं प्रेशर कुकर में दाल, सब्जी बनाने से पौष्टिक तत्व काफी कम नष्ट होते हैं और खाना भी जल्दी बनता है।

भाप में पकाएं

स्टीम्ड यानी भाप में पकी सब्जियों में पौष्टिकता की मात्रा भरपूर रहती है। बंदगोभी, ब्रोकली, मटर, गाजर, बींस आदि को थोड़े से पानी में डालकर ढककर आंच कम कर पकाया जाए तो सब्जी बहुत हल्की और पौष्टिक बनती है।

समय का ख्याल

सब्जी को देर तक पकाने से भी पौष्टिक तत्व नष्ट होते हैं। बेहतर यही है कि सब्जी को उतनी ही देर तक पकाएं, जितनी जरूरी हो।

काम की बातें

दूध फट जाए या पनीर बनाने के लिए दूध को फाड़ें, तो उसके पानी को फेंकें नहीं। सब्जी पकाते समय उसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

पीतल, तांबा और लोहे के बर्तन अधिकांश सब्जियों की पौष्टिकता को बढ़ाते हैं, जबकि अल्यूमीनियम और जस्ता वाले बर्तनों में पका खाना उचित नहीं होता, क्योंकि इन धातुओं के एसिड घुलनशील होते हैं।

सरसों तेल, ऑलिव आयल, सूर्यमुखी तेल या चावल ब्रान से बने तेल में सब्जी बनाएं। थोड़ी मात्रा में देसी घी का भी प्रयोग कर सकते हैं।

सब्जियों को पकाने से पहले पानी में ज्यादा देर तक न भिगोएं, इससे पोषक तत्व पानी में घुलकर नष्ट हो जाएंगे।

सब्जियों को कम पानी में पकाएं, पानी की मात्रा जितनी कम होगी, उतने ही कम पोषक तत्व नष्ट होंगे।

हरी पत्तेदार सब्जियों को काटने से पहले ही धो लें, क्योंकि इनमें मौजूद विटामिन और मिनरल पानी में घुलनशील होते हैं।

सब्जियों को ढक कर पकाएं, पोषक तत्व सुरक्षित रहेंगे।

जिस तेल में कोई चीज तली जा चुकी हो उसका फिर प्रयोग न करें।

फ्रिज में सब्जी की मात्रा उतनी ही रखें, जितनी आप एक दिन में खर्च कर सकें।

सप्ताह भर की सब्जियां फल खरीद कर न रखें।

मसालों का प्रयोग कम करें।

सब्जी को बार-बार गर्म करने से बचें।

हमेशा ताजी और मौसमी सब्जियों का ही इस्तेमाल करें।

सब्जियों को काटकर कभी न धोएं, इससे विटामिन बी और सी नष्ट हो जाते हैं।

कैसे पकाएं

पालक : ज्यादा देर तक पकाने से पालक का 64 प्रतिशत विटामिन सी नष्ट हो जाता है। इसलिए इसे ढक कर 2-3 मिनट से ज्यादा न पकाएं। पालक में आयरन काफी होता है, लेकिन इसमें अक्सोलिक एसिड भी काफी मात्रा में होता है, जो आयरन के अवशोषण को रोकता है। पालक को काटने से पहले पानी में भिगो दें और अच्छे से धो लें। पकाते समय इसमें अलग से पानी न डालें।

बैंगन : बैंगनी रंग की इस सब्जी को एंटीऑक्सिडेंट का पावर हाउस माना जाता है। इसीलिए आपको खूब गहरे बैंगनी रंग का बैंगन चुनना चाहिए। बैंगन की सब्जी बनाने के दौरान इसको छिलके सहित ही काटें। इससे यह स्वादिष्ट भी लगेगी और पौष्टिक भी होगी।

खीरा : इसको ज्यादातर सलाद में कच्चा ही खाना चाहिए। खीरे में बहुत ही कम कैलोरी पाई जाती है, इसलिए जो लोग डायटिंग कर रहें हों, उनके लिए यह अच्छा माना जाता है। इसका छिलका भी काफी पौष्टिक होता है। इसमें घुलनशील फाइबर पाए जाते हैं और यह भी माना जाता है कि यह पेट के कैंसर का प्राकृतिक इलाज है।

शिमला मिर्च : शिमला मिर्च में भारी मात्रा में विटामिन-सी पाया जाता है। शिमला मिर्च को 375 डिग्री से ज्यादा आंच पर पकाने से इसमें मौजूद सभी पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। इसलिए इसे हल्का पकाकर या कच्चा ही खाएं।

शलगम : यह काफी रंगीन सब्जी है, जिसमें पोषक तत्व और एंटी-ऑक्सिडेंट काफी मात्रा में पाए जाते हैं। इसे कच्चा खाना बेहतर है, वरना थोड़ा पका कर भी खाया जा सकता है। लेकिन इसे ज्यादा नहीं पकाएं।

ब्रोकली : इसमें विटामिन सी और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। साथ ही इसमें सल्फोराफेन नामक अवयव भी पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर को कम कर दिल की बीमारियों को दूर रखने में मददगार है। इस बात का ध्यान रखें कि इसको उबालने या पकाने से इसमें मौजूद सल्फोराफेन 70 फीसदी तक कम हो जाता है।

करेला : कड़वा करेला औषधीय गुणों और पोषक तत्वों से भरपूर होता है। भाप में कम मसालों के साथ पका कर इसे खाना बेहतर है। कुछ लोग सब्जी बनाने के लिए इसे उबाल लेते हैं इसकी पौष्टिकता काफी कम हो जाती है।

कद्दू : कद्दू परिवार की ज्यादातर सब्जियों के छिलकों में जिंक अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसे अच्छी त्वचा और नाखूनों के लिए आवश्यक माना जाता है। इसके अलावा इसके छिलके में पाया जाने वाला बीट कैरोटीन भी हृदय रोग और कैंसर से बचाता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप जब भी कद्दू बनाएं, तो उसके छिलकों के साथ ही बनाएं और इसको बहुत गलने तक न पकाएं।

वर्क फ्रॉम होम सुनने में तो अच्छा लगता है लेकिन यह कॅरियर के लिए घातक है

ऑफिस जाने वाले व्यक्तियों के आठ घंटे ऑफिस के होते हैं, लेकिन जब वह घर वापिस आते हैं तो अपना समय परिवार को देते हैं। वहीं जो लोग घर से काम करते हैं, वह भले ही पूरा दिन परिवार के साथ हो लेकिन फिर भी उनके साथ नहीं होते। सुबह जल्दी उठकर ऑफिस जाना हर किसी को अच्छा नहीं लगता। ऐसे बहुत से लोग हैं जो नौ से पांच की जॉब करने की बजाय घर से काम करना पसंद करते हैं। घर बैठकर ही अगर किसी की अच्छी कमाई हो तो शायद ही लोगों को ऑफिस जाना रास आए। आमतौर पर, लोग वर्क फ्रॉम होम के फायदे ही फायदे नजर आते हैं, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी होते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में...

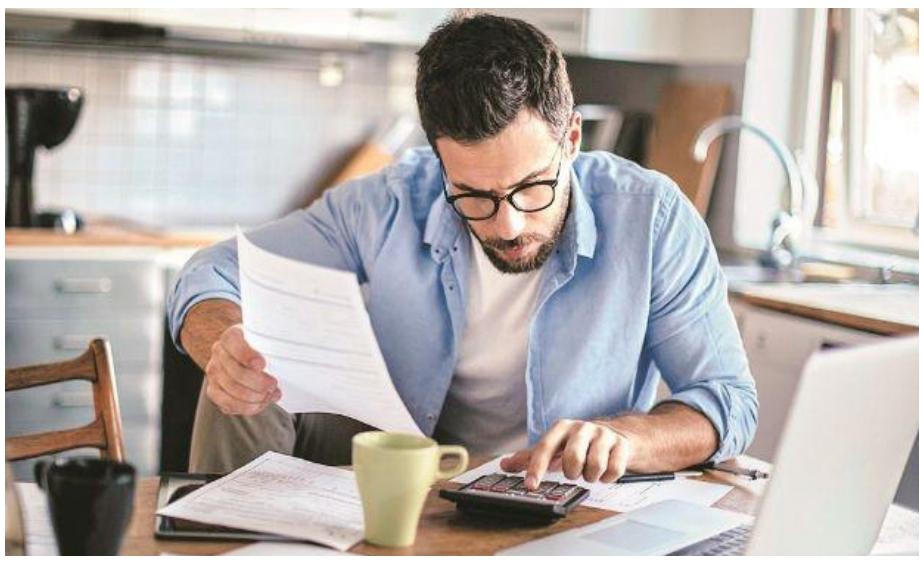

कुएं का मेढ़क

आपको शायद जानकर हैरानी हो लेकिन घर से काम करने वाले लोग वास्तव में एक कुएं का मेढ़क बनकर रह जाते हैं। चूंकि आप घर से ही काम करते हैं तो आप सीमित लोगों को ही जानते हैं और उनके जरिए ही काम करते हैं। जबकि ऑफिस में जाने वाले व्यक्ति न सिर्फ हर दिन कई लोगों से मिलता है और उसका नेटवर्क अच्छा बनता है, बल्कि उसे मार्केट में होने वाली हर हलचल के बारे में पहले से ही पता चल जाता है। इस प्रकार ऑफिस जाने वाले लोग अपना एक अच्छा नेटवर्क बना लेते हैं, जिसका लाभ उन्हें ताउम्र मिलता है।

हरदम काम

ऑफिस जाने वाले व्यक्तियों के आठ घंटे ऑफिस के होते हैं, लेकिन जब वह घर वापिस आते हैं तो अपना समय परिवार को देते हैं। वहीं जो लोग घर से काम करते हैं, वह भले ही पूरा दिन परिवार के साथ हो लेकिन फिर भी उनके साथ नहीं होते। सोते-जागते उन्हें अपने कमिटमेंट पूरे करने की चिंता लगी रहती है। जिसके कारण कभी-कभी उनके स्वास्थ्य और पारिवारिक रिश्तों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

जल्द प्रमोशन नहीं

जो लोग घर से काम करते हैं, उनके काम का एक रेट तय होता है और चाहकर भी व्यक्ति उन्हें बहुत अधिक नहीं बढ़ा सकता। दरअसल, घर से काम करने पर आप ऑफिस में बॉस से लगातार संपर्क में नहीं रहते। केवल फोन या ईमेल के जरिए ही काम होता है। कभी-कभी तो कम्युनिकेशन के अभाव में काम भी प्रभावित होता है। साथ ही कम्युनिकेशन गैप के चलते लोग जल्द आपको नोटिस नहीं करते और न ही आप अपने भीतर के गुणों को उनके समक्ष रख पाते हैं। ऐसे में प्रमोशन होना या काम के रेट में वृद्धि होना काफी मुश्किल होता है।

खूबियों का विस्तार

ऑफिस में काम करने वाले व्यक्ति में कई तरह के गुण खुद-ब-खुद आ जाते हैं। मसलन, ऐसे लोग ऑफिस एडीकेट्स को स्वयं ही सीख जाते हैं। साथ ही जब भी वह किसी ऑफिस में काम करते हैं तो उन्हें काफी कुछ नया सीखने को मिलता है। जिस तरह जमाना बदल रहा है, उसे देखते हुए व्यक्ति को हरदम खुद को पॉलिश करना पड़ता है। ऑफिस में व्यक्ति अपने सहकर्मियों से काफी कुछ सीख जाता है, जबकि घर से काम करने वाले लोगों को यह अवसर नहीं मिलता। वह हर दिन एक ही तरह से काम करते हैं। उन्हें अपनी खूबियों का विस्तार करने के लिए खुद से ही कुछ पहल करना पड़ता है और उसके लिए रास्ते भी खुद ही खोजने पड़ते हैं।

सपोर्ट की कमी

कई बार ऐसा होता है कि काम के दौरान व्यक्ति बीच में अटक जाता है, लेकिन घर से काम करने वाले व्यक्ति को बैक सपोर्ट न के बराबर ही मिलता है। जबकि ऑफिस में जाने वाला व्यक्ति तुरंत ऑफिस में सहायता प्राप्त कर लेता है। इतना ही नहीं, घर से काम करने वाले व्यक्ति को अपनी विश्वसनीयता बनाने और उसे बरकरार रखने में भी काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।

कहानी : श्यामला

-अविनाश झा-

श्यामला ने आज फिर मां को काफी खरी खोटी सुनाई थी। मां ने सिर्फ इतना ही तो पूछा था !

बेटी जुग जमाना सही नहीं है। यूं देर रात तक बाहर रहना ठीक नहीं। अब नौकरी भी करने लगी हो लेकिन विवाह का नाम सुनते ही भड़क जाती हो।

तुम सबको तो सिर्फ शादी- शादी की रट लगी है। मेरी इच्छा जब होगी कर लूंगी। तुम अपने काम से काम रखो ! श्यामला ने लगभग चिल्लाते हुए कहा।

बेटी हमलोग भी समाज में रहते हैं, सब हमसे पूछते रहते हैं, रिश्तेदार रिश्ते लेकर आते हैं, क्या जबाव देती फिरूं। इतना मेहनत से पढाया लिखाया, क्या इसी दिन को देखने के लिए। मेरी जिंदगी कितनी बची है, मरने से पहले चाहती हूँ ,तुम्हारा घर बस जाये।

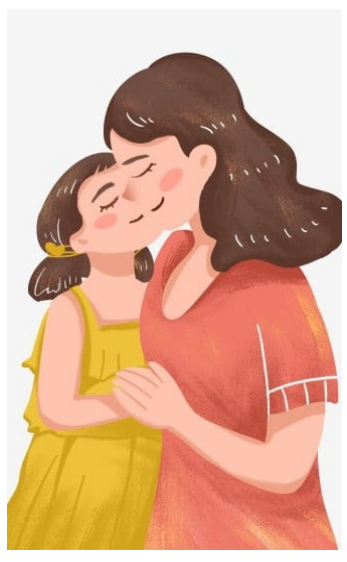

देखो मुझे सेंटी मत पिलाओ, मैं तुम्हारे झांसे में नहीं आनेवाली। ज्यादा तंग करोगी तो अलग घर ले लूंगी।

उसने यह भी नहीं सोचा कि उसकी मां थर्ड स्टेज कैन्सर की पेशेंट है। उसने मद्रास में ज्वाइन किया था पर कानपुर में ट्रांसफर इसी आधार पर लिया था कि वहाँ जाकर मां की सेवा करुंगी। जितने भी दिन बचे है उसकी जिंदगी के,उसे खुशी खुशी बिताने में हेल्प करेगी पर किस्मत को कुछ और मंजूर था। यहां आते ही वो लगभग बदल गयी थी। बात इतनी सी थी कि श्यामला कंपनी में अपने किसी कलिग से प्यार करने लगी थी जो किसी दूसरी जाति का था। सुनकर उसके मां पापा को झटका लगा था। उसपर उन्हें नाज था और पूरा विश्वास था कि वो कोई ऐसा काम नहीं करेगी जिससे समाज में उनकी इज्जत खराब हो। पर विश्वास टूट गया। दादा तो इसी शोक में चल बसे थे। पर श्यामला पर कोई असर नहीं था। पता नहीं कौन सा जादू कर दिया था उसने। इधर आकर वो किसी आश्रम में जाने लगी थी तथा धर्म योग में ज्यादा रुचि ले रही थी।

मां बोलती इन बाबाओं के चक्कर में ना पड़ो, ये भ्रष्ट होते हैं। न जाने क्या क्या उल्टा पुल्टा सिखाते रहते हैं। अपना घर तो कभी बसा नहीं इसलिए किसी और का बसने नहीं देना चाहते।!'

. नहीं नहीं मां ! ये अलग हैं, जीवन शैली सिखाते हैं ! इससे संस्कार आता है और शरीर और मन शांत रहता है। श्यामला ने अपने गुरुजी का स्ट्रांगली डिफेंड किया।

.तो ये कौन सी जीवन शैली और संस्कार सिखाते हैं जिसमें मां बाप को कष्ट पहुंचाना सिखाया जाता है ! बड़े बुजुर्गों को कष्ट पहुंचा कर आजतक किसी को सुख शांति मिल पायी है ?

वह चुप हो जाती पर उसके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं था। पापा मां की बिगड़ती हालत देखकर तैयार हो गये कि ठीक है ,उसी शादी कर लो ! समाज और अपनों के सामने जो झेलना होगा, हम झेल लेंगे।

पर अचानक उसने एक दिन घर छोड़ दिया और गायब हो गई। ना किसी से संपर्क और न कहीं अता पता। सुनते हैं उस दिन पापा से हल्की झड़प हो गयी थी। उसने उस लड़के परिवार के बारे में पापा से झूठ बोला था कि लड़के के पापा कोई आफिसर है, जबकि वह किसी आफिस में चपरासी था। पापा के गुस्से की वजह यह नहीं थी कि वो चपरासी था, बल्कि यह था कि उससे छिपाया क्यों ? झूठ क्यों बोला ?

यह वज्रपात था मां -पापा के लिए। दादी ने बेड पकड़ ली थी। मां की हालत गंभीर होती जा रही थी ! पापा समझ नहीं पा रहे थे आखिरकार हुआ क्या उसे ? इस तरह बिगड़कर कोई कहीं घर छोड़ता है। आस पड़ोस के लोग कानाफूसी शुरू कर दिए थे कि लड़की किसी के साथ भाग गयी।

ना कोई चिठ्ठी, ना कोई फोन ! कंपनी से पता चला कि उधर काम पर आ रही थी लेकिन इधर एक महीने की छुट्टी पर है। शायद शादी कर ली है, हनीमून पर गयी है। मां लाल जोड़े में सजी बेटी को देखने के लिए तरसती रही, आंखें सूख नहीं रही थी।

कई महीने बाद एक दिन अचानक श्यामला घर आई। सीधे मां के कमरे में गई। बेड खाली था, मां दीवाल पर टंगी तस्वीर में मुस्कुरा रही थी, फूलो का हार तस्वीर की शोभा बढा रही थी। हंसती आंखों में भी दर्द था, अपनी औलाद को न समझ पाने का दर्द। श्यामला अपने उभरी हुई पेट पर हाथ सहलाती रो रही थी। पापा ने कमरे के अंदर झांका और फिर आंगन में रखी कुर्सी पर सर झुकाकर बैठ गये।

अंत समय तक वो पूछती रही, कि आखिर कार श्यामला को हुआ क्या था ? हमने क्या गलत किया था, उसके साथ ?

श्यामला चुपचाप पापा के कुर्सी के पीछे आकर खड़ी हो गई। उन्हें गले लगाने की हिम्मत नहीं थी , फूट फूटकर रोने का साहस भी नहीं था। लेकिन पेट में नन्हे नन्हे पांव थपकियाँ दे रहे थे । जाओ उन्हें गले लगाओ फिर वो पापा से लिपट पड़ी।

बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों ने रचा इतिहास, पहली बार जीता थॉमस कप

बैंकाक। भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम ने रविवार को एकतरफा फाइनल में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर 73 साल में पहली बार बैडमिंटन थॉमस कप का खिताब जीतकर अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करा लिया। भारतीय टीम इससे पहले 1952, 1955 और 1979 में सेमीफाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम ने बैडमिंटन थॉमस कप टूर्नामेंट के इतिहास का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पहली बार फाइनल खेल रही भारतीय टीम के लिए एक ऐसी टीम के खिलाफ जीत दर्ज करना आसान नहीं था, जो 21वीं बार फाइनल खेल रही थी लेकिन इसे संभव करने के लिए भारतीय खिलाड़ियों ने पहले तीनों मैच जीतकर थॉमस कप पर कब्जा जमाया। लक्ष्य सेन और किदाम्बी श्रीकांत ने एकल मैच तथा सात्विकसैराज रन्किरेड्डी और चिराग शेट्टी ने युगल मैच जीता।

73 साल बाद भारत ने इंडोनेशिया को 3-0 से रौंदा, पीएम मोदी और खेल मंत्री ने दी बधाई

खिलाड़ियों पर पैसों की बरसात

बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों के इतिहास रचने के बाद खेल मंत्रालय ने बधाई दी और इनाम की भी घोषणा की। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों को जीत की बधाई देते हुए एक करोड़ रुपए इनाम देने की घोषणा की। वहीं बैडमिंटन संघ ने भी एक करोड़ रुपये का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की। भारत की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी। उन्होंने कहा, भारतीय बैडमिंटन टीम ने इतिहास रच दिया। भारत के थॉमस कप जीतने से पूरा देश खुश है। हमारी सफल टीम को बधाई और भविष्य के टूर्नामेंट के लिए उन्हें शुभकामनाएं। यह जीत कई उभरते हुए खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी।

लक्ष्य सेन और श्रीकांत ने एकल तथा सात्विक - चिराग की जोड़ी ने जीता युगल मैच

भारत की जीत की शुरुआत दुनिया के नौ नंबर के एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने की। लक्ष्य ने एंथोनी सिनिसुका गिंटिंगमेंस के खिलाफ पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी की और 21-8, 17-21, 16-21 की जीत के साथ भारत को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने मोहम्मद अहसान और केविन संजय सुकामुलजोमेंस के खिलाफ 21-18, 23-21, 21-19की जीत के साथ भारत को 2-0 से आगे कर खिताब के बेहद करीब लाकर खड़ा कर दिया। 2-0 से आगे होने के बाद भारत को खिताब अपने नाम करने के लिए अब सिर्फ एक मैच में जीत की दरकार थी और इसका दारोमदार गया विश्व के पूर्व नम्बर-एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत पर, जो दिग्गज जोनाथन क्रिस्टी के खिलाफ खड़े थे। श्रीकांत ने इस इंडोनेशियाई दिग्गज के खिलाफ 21-15, 23-21 की जीत के साथ भारत को चैंपियन बना दिया। श्रीकांत दूसरे गेम में एक समय पीछे चल रहे थे लेकिन फिर उन्होंने 19-19 की बराबरी की और फिर गेम के साथ मैच जीत लिया।

लिवरपूल ने जीता एफए कप का खिताब

पेनल्टी शूट आउट में चेल्सी को 6-5 से शिकस्त दी

लंदन। लिवरपूल ने चेल्सी को पेनल्टी शूट आउट में 6-5 से हराकर 2006 के बाद पहली बार एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही मैनेजर जुएर्गेन क्लोप ने टीम के साथ सभी बड़े खिताब जीतने की उपलब्धि भी हासिल कर ली। इस जीत के साथ लिवरपूल की टीम साल में चार बड़ी ट्रॉफी जीत की दौड़ में बनी हुई है। फरवरी में लीग कप फाइनल की तरह एफए कप फाइनल का स्कोर भी

120 मिनट के निर्धारित समय के बाद 0-0 रहा जिसके बाद लिवरपूल ने एक बार फिर बाजी मारी। दोनों टीम पेनल्टी शूट आउट में 5-5 से बराबर थी जिसके बाद चेल्सी के मिडफील्डर मेसन माउंट पेनल्टी को गोल में बदलने में नाकाम रहे और कोन्सटेनटिनोस सिमिकास ने लिवरपूल की ओर से पहला गोल दागकर उसे शूट आउट में जीत दिला दी। चेल्सी लगातार तीन एफए कप फाइनल हारने वाली पहली टीम भी बन गई। टीम को 2020 के फाइनल में आर्सेनल जबकि पिछले साल लीसेस्टर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

मैथ्यूज का शतक, श्रीलंका का मजबूत स्कोर

चटगांव। आलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज (नाबाद 114) के शानदार शतक से श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन रविवार को चार विकेट पर 258 रन का मजबूत स्कोर बना लिया। मैथ्यूज ने 213 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 114 रन में 14 चौके और एक छक्का लगाया। कुसल मेंडिस ने 54 और ओशादा फर्नांडो ने 36 रन बनाये। स्टंप्स के समय मैथ्यूज के साथ दिनेश चांदीमल 34 रन बनाकर नाबाद थे।

डीजीपी 11 व समर्थ ड्यूराटेक चैंपियन

सारांश ट्रॉफी इंटर टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट

भोपाल। सारांश ट्रॉफी इंटर कॉर्पोरेट टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को खिताबी मुकाबले खेले गए, जिसमें डीजीपी 11 व समर्थ ड्यूराटेक अपने-अपने ग्रुप में चैंपियन रहीं। पहले फाइनल में समर्थ ड्यूराटेक ने गोल्डन ग्रुप को 4 विकेट से हरा दिया। गोल्डन ग्रुप ने पहले बल्लेबाजी करते हुए समर्थ ड्यूराटेक को 186 रनों का लक्ष्य दिया, जिसे समर्थ ड्यूराटेक ने आखिरी ओवर में दो गेंद शेष रहते हासिल किया। गोल्डन ग्रप की ओर से अरबाज कुरैशी ने अतिशी पारी खेलते हुए 36 गेंदों में 54 रन की पारी खेली। समर्थ ड्यूराटेक की ओर से जय देवनानी ने तूफानी पारी खेलते हुए सिर्फ18 गेदों में 4 चौके और 9 छक्कों की मदद से 72 रन बनाए, वहीं अभिषेक ने दूसरा छोर संभालते हुए टीम की जीत में 51 गेंदों में 67 रनों का योगदान दिया। जय देवनानी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा फाइनल डीजीपी 11 और बीएसएनएल के बीच खेला गया। जिसमें डीजीपी 11 ने बीएसएनएल को 76 रन से हरा दिया। डीजीपी 11 की ओर से अंकुश ने 38 गेंदों में 57 रन की बेहतरीन पारी खेली। डीजीपी11 ने 176 रन का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बीएसएनएल की टीम 18 ओवर में 100 रन पर सिमट गई। जवाब में बीएसएनएल की टीम 100 रन ही बना सकी। डीजीपी 11 की ओर से शुभम चौहान ने 5 विकेट लिया।

फाइनल मुकाबले को देखने ओल्ड कैंपेन ग्राउंड में लोगों की काफी भीड़ पहुंची। कार्यक्रम में मंत्री मप्र शासन विश्वास सारंग, भोपाल मध्य विधायक आरिफ मसूद मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

इगा स्विएटेक ने बनी इटालियन ओपन चैंपियन

रोम। विश्व रैंकिंग में नंबर वन खिलाड़ी इगा स्विएटेक अपना लगातार पांचवां डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीते हुए यहां सातवें नंबर की ओन्स जबूर को फाइनल में 6-2, 6-2 से हराकर अपना इटालियन ओपन खिताब को बरकरार रखा। इसके साथ, पोलिश स्टार ने अपनी जीत का सिलसिला लगातार 28 मैचों तक बढ़ा लिया। स्विएटेक एक सीजन में चार या अधिक डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने वाली अब तक की दूसरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले, सेरेना विलियम्स ने 2013 में पांच जीते थे। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने दोहा, इंडियन वेल्स, मियामी और अब रोम में जीत हासिल करते हुए इस सीजन में खेले गए प्रत्येक डब्ल्यूटीए 1000 जीत हासिल की है। वह वर्तमान में पिछले नौ डब्ल्यूटीए 1000 खिताबों में से पांच में सफल रही हैं। स्विएटेक ने पिछले साल रोम में अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता था। एक अन्य मुकाबले में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अपने करियर के 1000वीं जीत दर्ज करते हुए कास्पर रूड को सीधे सेटों में हराकर इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में वह स्टीफानोस सितसिपास से भिड़ेंगे। सर्बिया के स्टार खिलाड़ी जोकोविच ने रूड पर 6-4, 6-3 की जीत के साथ साल के अपने अब तक के सबसे बड़े फाइनल में जगह बनाई जहां वह छठा खिताब जीतने का प्रयास करेंगे।

चेन्नई को सात विकेट से हराया, मैन ऑफ द मैच ऋद्धिमान साहा ने जड़ा अर्धशतक

गुजरात की 10वीं जीत

मुंबई (एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच ऋद्धिमान साहा (67 रन और दो कैच) की जिम्मेदार पारी की बदौलत गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 15वें सीजन के मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स को सात विकेट से हराकर 10वीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ गुजरात के 13 मैचों में 20 अंक हो गए हैं और वह पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर बरकरार है, जबकि टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी चेन्नई अपने 13 में से नौ मैच हारकर आठ पॉइंट के साथ नौवें स्थान पर है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 133 रन का स्कोर बनाया। चेन्नई के लिए ऋतुराज गायकवाड़ ने 53, एन जगदीशन ने नाबाद 39, मोईन अली ने 21 और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 7 रन बनाए। गुजरात के लिए मोहम्मद शमी ने दो अविकेट लिए। 133 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शुभमन गिल और रिद्धिमान साहा ने गुजरात को मजबूत शुरुआत दिलायी और पावरप्ले में 53 रन जोड़े। आठवें ओवर की पहली गेंद पर आउट होने से पहले गिल ने 18 रन बनाये। हार्दिक पांड्या 7 रन, मैथ्यू वेड (20) और डेविड मिलर (15) ने साहा को समर्थन दिया जिससे गुजरात ने 134 रन का मामूली लक्ष्य पांच गेंद रहते हुए हासिल कर लिया। एंड्रयू साइमंड्स को श्रद्धांजलि देते हुए चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटन्स के खिलाड़ियों काली पट्टी (ब्लैक आर्म बैंड) बांधकर मैदान पर उतरे।

आईपीएल इतिहास के एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगने का रिकॉर्ड टूटा

चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मुकाबले के दौरान आईपीएल इतिहास के एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगने का रिकॉर्ड टूटा गया। इससे पहले 2018 में 11वें संस्करण में एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगे थे। उस सीजन में कुल 872 छक्के लगे थे। लेकिन आईपीएल 2022 के 62वें मैच में ही 876 छक्के लग चुके हैं। यानि कि जारी सीजन में इस बार आईपीएल के इतिहास में सर्वाधिक छक्का लगने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। आईपीएल 2022 में 12 मुकाबले और खेले जाने हैं, ऐसे में छक्कों का आंकड़ा 1000 तक पहुंच सकता है।

एक सीजन में सर्वाधिक छक्के

सीजन	छक्के	मैच
2022	873*,	62वां मैच
2018	872,	60 मैच
2019	784,	60 मैच
2020	734,	60 मैच
2012	734,	75 मैच

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	24
हसरंगा	बेंगलुरु	23
कगिसो रबाडा	पंजाब	21

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
बटलर	राजस्थान	627
केएल राहुल	लखनऊ	469
डेविड वॉर्नर	दिल्ली	427

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	13	10	03	20	0.391
राजस्थान	13	08	05	16	0.304
लखनऊ	13	08	05	16	0.262
बैंगलुरु	13	07	06	14	-0.323
दिल्ली	12	06	06	12	0.210
कोलकाता	13	06	07	12	0.160
पंजाब	12	06	06	12	0.023
हैदराबाद	12	05	07	10	-0.270
चेन्नई	13	04	09	08	-0.206
मुंबई	12	03	09	06	-0.613

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
गायकवाड़ कै. वेड बो. राशिद	53	49	4/1
कॉन्वे कै. साहा बो.शमी	05	09	0/0
मोईन अली कै. राशिद बो. किशोर	21	17	0/2
जगदीशन नाबाद	39	33	3/1
शुभम दुबे कै. साहा बो. जोसेफ	00	02	0/0
धोनी कै. दयाल बो. शमी	07	10	0/0
मिचेल सैंटनर नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 7, कुल: 20 ओवर में पांच विकेट पर 135 रन
विकेट पतन: 1-8, 2-65, 3-113, 4-114, 5-130 ,
गेंदबाजी: मोहम्मद शमी 4-0-19-2, हार्दिक पंड्या 2-0-8-0, यश दयाल 3-0-27-0, राशिद खान 4-0-31-1, अल्जारी जोसेफ 3-0-15-1, साई किशोर 4-0-31-1,

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
ऋद्धिमान साहा नाबाद	67	57	8/1
शुभमन गिल पगबाधा पथिराना	18	17	3/0
मैथ्यूज वेड कै. शिवम बो. मोईन	20	15	2/0
हार्दिक कै. शिवम बो. पथिराना	07	06	1/0
डेविड मिलर नाबाद	15	20	1/0

अतिरिक्त: 10, कुल: 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 137 रन **विकेट पतन:** 1-59, 2-90, 3-100, **गेंदबाजी:** मुकेश चौधरी 3-0-28-0, सिमरजीत सिंह 3-0-26-0, मिचेल सैंटनर 4-0-24-0, प्रशांत सोलंकी 4-0-18-0, मथीशा पथिराना 3.1-0-24-2, मोईन अली 2-0-11-1,

प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंचा राजस्थान रॉयल्स

लखनऊ को 24 रनों से हराकर अंकतलिका में हासिल किया दूसरा स्थान

मुंबई। मैन ऑफ द मैच ट्रेंट बोल्ट सहित अन्यों गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को रविवार को आईपीएल मुकाबले में 24 रनों से हराया और प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंच गए। राजस्थान ने 20 ओवर में छह विकेट पर 178 रन का स्कोर बनाया और लखनऊ को आठ विकेट पर 154 रन पर रोक दिया।

राजस्थान 13 मैचों में आठवीं जीत और 16 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गया है जबकि लखनऊ 13 मैचों में पांचवीं हार के बाद 16 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया है। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने शीर्ष बल्लेबाज जोस बटलर को मात्र 11 के स्कोर पर गंवाया। बटलर दो रन ही बना सके। लेकिन यशस्वी जायसवाल ने पर 41, कप्तान संजू सैमसन ने 32, देवदत्त पडिकल ने 39, रियान पराग ने 19 और जिमी नीशम ने 14 रन बनाकर राजस्थान के स्कोर को कुछ सम्मान

दिया। रविचंद्रन अश्विन ने नाबाद 10 और ट्रेंट बोल्ट ने नौ गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाकर राजस्थान को लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचाया जो अंत में मैच विजयी साबित हुआ।

राजस्थान के गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

लक्ष्य का पीछा करते हुए पॉवरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद मुकाबले में नहीं लौट पायी और उसे लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। ट्रेंट बोल्ट ने तीसरे ओवर की पहली गेंद पर क्विंटन डी कॉक और दूसरी गेंद पर आयुष बदौनी को आउट कर लखनऊ को दो करारे झटके दिए। प्रसिद्ध कृष्णा ने छठे ओवर में लखनऊ के कप्तान लोकेश राहुल से पहली गेंद पर छक्का खाने के बाद उन्हें तीसरी गेंद पर यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच करा दिया। लखनऊ के लिए दीपक हुड्डा ने सर्वाधिक 59 रन बनाए। इसके अलावा डिकाक ने 7 रन , कप्तान केएल राहुल ने 10 रन, क्रुणाल पांड्या 25 रन और स्टायनिश ने 27 रन की पारी खेली। दीपक का विकेट पांचवें बल्लेबाज के रूप में 116 के स्कोर पर आउट होते ही लखनऊ की उम्मीदें टूट गयीं। राजस्थान की तरफ से बोल्ट, कृष्णा और ओबेद मकाय ने दो-दो विकेट झटके। राजस्थान की टीम 24 रन से मैच जीतने में कामयाब रही। राजस्थान रॉयल्स की टीम अब दशमलव अंकों में लखनऊ से आगे पहुंच गई है।

उत्तरांचल हीरोज का विजय अभियान शुरू

नयी दिल्ली। शशांक ममगईं के दो शानदार गोलों की मदद से उत्तरांचल हीरोज ने अशोका क्लब को 2-0 से हरा कर डीएसए बी डिवीजन लीग में पूरे अंक अर्जित किए। नेहरू स्टेडियम में खेले गए एक अन्य एकतरफा मुकाबले में कालेजियन्स ने कोलंबस यंग्सटर्स को चार गोलों से परास्त किया।

उत्तरांचल के गोल शशांक ने मध्यांतर के बाद किए। कालेजियन्स के लिए मेहुल ने दो और रोहित व गंगा ने एक एक गोल जमाए। रक्षापंक्ति में उत्तरांचल के कप्तान द्रोण भारद्वाज और शौकत का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर साइमंड्स की कार दुर्घटना में मौत

शोक में डूबा क्रिकेट जगत

कैनबरा (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एंड्र्यू साइमंड्स की कार दुर्घटना में मौत हो गई है। वह क्वींसलैंड में हादसे का शिकार हो गए।

साइमंड्स ने 1998 से 2009 के दरमियान कुल 26 टेस्ट और 198 वनडे में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया था। 46 वर्षीय साइमंड्स टाउंज्विल के बाहर हादसे का शिकार हुए, वह संन्यास के बाद यहीं रहा करते थे। क्वींसलैंड पुलिस ने कहा, पुलिस टाउंज्विल से लगभग 50 किलोमीटर दूर हर्वे रेंज में एक एकल वाहन दुर्घटना की जांच कर रही है, जिसने शनिवार रात एक 46 वर्षीय व्यक्ति की जान ले ली। शुरुआती सूचना के मुताबिक रात करीब 11 बजे ऐलिस रिवर ब्रिज के समीप हर्वी रेंज रोड पर एक कार चलाई जा रही थी, इसी दौरान कार अचानक सड़क से उतर गई और लुढ़क गई। कार को चला रहे 46 वर्षीय ड्राइवर को बचाने की कोशिश की गई लेकिन उसकी दुःखद मृत्यु हो गई। साइमंड्स 2003 और 2007 में ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीम के दो बार सदस्य रहे थे। इसके साथ ही वह मध्य 2000 में टेस्ट टीम के अहम सदस्य भी रहे थे। साइमंड्स की मृत्यु 2022 में अब तक तीसरी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की मृत्यु है। इससे पहले मार्च महीनें में रॉडनी मार्श और शेन वॉर्न की मृत्यु हो गई थी। साइमंड्स की मृत्यु होने के बाद पूरा क्रिकेट जगत शोकग्रस्त है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष लॉकलन हेंडरसन ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ने अपना सर्वश्रेष्ठ सितारों में से एक और खो दिया है। वह कई लोगों के लिए एक संस्कारी व्यक्ति थे, जिन्हें उनके प्रशंसकों और दोस्तों द्वारा कीमती बनाया गया था।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं निकहत

नई दिल्ली। भारत की निकहत जरीन रविवार को एकतरफा जीत के साथ तुर्की के शहर इस्तांबुल में जारी 12वीं आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 52 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं।

प्री-क्वार्टर फाइनल में निकहत का सामना मंगोलिया की लुत्सैखान अल्तांतसेटसेग से हुआ, जिसे उन्होंने 5-0 से एकतरफा अंदाज में जीता। हालांकि शिक्षा (54 किग्रा) को युवा एशियाई कांस्य पदक विजेता येसुगेन ओयुंटसेटसेग के हाथों 2-3 से करीबी हार मिली। अब तक कुल पांच मुक्केबाज

क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी हैं जबकि चार अन्य आज रात अपना-अपना प्री-क्वार्टर फाइनल मैच खेलेंगी।

बहरहाल, पहले राउंड में निकहत और लुत्सैखान ने बेहद आक्रामक खेल दिखाया लेकिन निकहत दो कदम आगे रहीं। लुत्सैखान ने कई मौकों पर निकहत पर हावी होने की कोशिश की लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने अपना पूरा दमखम लगाते हुए उनके सारे प्रयासों को नाकाम करते हुए पांच में से चार जजों को प्रभावित किया।

दूसरे राउंड में निकहत ने लुत्सैखान पर कोई रहम नहीं दिखाया और कई जोरदार मुक्के मारे। यह राउंड पूरी तरह निकहत के नाम रहा और वह सभी जजों से पूरे अंक बटोरने में सफल रहीं।